



शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION



PM
SHRI
Creating holistic and well-rounded individuals
equipped with key 21st Century skills



प्रधान मंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) ओडिशा वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा)
स्कूल और गण शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार
शिक्षा सौध, यूनिट-V, भुवनेश्वर, ओडिशा

पीएम श्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) ओडिशा

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा)

शिक्षा सौध, यूनिट-V, भुवनेश्वर, ओडिशा

वेबसाइट: www.osepa.odisha.gov.in

प्रधान संपादक
श्रीमती अनन्या दास, आईएएस
राज्य परियोजना निर्देशक , ओसेपा

संपादक – मंडल

- **श्रीमती संगीता बेहेरा**
अतिरिक्त निर्देशक, जेनेरल
- **श्रीमती अमिता पटनायक**
अतिरिक्त निर्देशक, सिविल
- **डॉ जैस्मिन पटनायक**
संयुक्त निर्देशक, प्रशासन
- **श्रीमती सुदेष्णा कर**
एफए और सीएओ
- **डॉ संतोष कुमार राउत**
संयुक्त निर्देशक, बालिका शिक्षा और अनुसंधान
- **श्रीमती सस्मिता साहू**
संयुक्त निर्देशक, एमआईएस, आईसीटी और वीएसके
- **श्रीमती प्राची तनया गिरी**
संयुक्त निर्देशक, कम्युनिटी मोबिलाइजेशन
- **श्रीमती निरूपा बेहेरा**
संयुक्त निर्देशक, शिक्षाशास्त्र
- **श्रीमती इतिश्री नायक**
उप निर्देशक, प्रशासन और पाठ्यपुस्तक
- **श्री प्रदोष कुमार नाइक**
उप निर्देशक, समावेशी शिक्षा
- **श्री तन्मय कुमार बेहेरा**
उप निर्देशक, व्यावसायिक शिक्षा
- **श्रीमती शैलाधिराजतनया शतपथी**
उप निर्देशक, शिक्षक शिक्षा
- **डॉ प्रसन कुमार साहू**
सहायक निर्देशक, टीई एवं एससीईआरटी

सदस्य संयोजक

- **श्री दीपक राय**
सहायक निर्देशक, योजना

समन्वयन

- **श्रीमती निबेदिता महापात्र**
वित्त अधिकारी
- **श्रीमती एस एस स्वरूपा**
योजना समन्वयक
- **श्री रंजन कुमार पाणि**
वित्तीय सलाहकार
- **श्री प्रफुल्ल कुमार सेनापति**
वरिष्ठ कार्यक्रम सहायक





शालिनी पंडित, आई.ए.एस
सरकार के आयुक्त-सह-सचिव
-सह-उपाध्यक्ष, ओसेपा

ओडिशा सरकार
स्कूल और गण शिक्षा विभाग
लोक सेवा भवन, भुवनेश्वर-१
कार्यालय: ०६७४-५२३६६३१
ईमेल: secysme@gmail.com

संदेश

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि ओडिशा ने वर्ष २०२४-२५ के दौरान प्रधान मंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना के अंतर्गत विद्यालयों के रूपांतरण के राष्ट्रीय अभियान से जुड़कर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की यह केंद्रीय प्रायोजित योजना मौजूदा विद्यालयों को उत्कृष्टता के आदर्श संस्थानों में विकसित करने का उद्देश्य रखती है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० की दृष्टि को साकार करती है।

ओडिशा में वर्ष २०२४-२५ के दौरान कुल ४६२ विद्यालयों को अनुमोदित किया गया है। ये संस्थान २१वीं सदी की शिक्षा के आदर्श उदाहरण के रूप में गुणवत्तापूर्ण, समान और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक छात्र के समग्र विकास को प्रोत्साहित करेंगे। इन विद्यालयों में नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियाँ, जीवन कौशल, व्यावसायिक अनुभव, खेल एवं कला का एकीकरण, आईसीटी आधारित अधिगम तथा हरित प्रथाओं का अपनाव प्रमुख रूप से केंद्रित रहेगा।

उत्कृष्टता के केंद्रों के रूप में, ओडिशा के पीएम-श्री विद्यालय न केवल एनईपी के अनुरूप श्रेष्ठ शैक्षणिक प्रथाओं को प्रदर्शित कर रहे हैं, बल्कि आसपास के विद्यालयों को भी दिशा प्रदान करते हुए पूरा शिक्षा तंत्र में प्रेरणादायी परिवर्तन ला रहे हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि यह पहल हमारे विद्यार्थियों को ऐसे ज्ञान, कौशल और मूल्यों से सुसज्जित करेगी, जो उन्हें निरंतर बदलती दुनिया में सफल होने में सक्षम बनाएगी।

सरकार के आयुक्त-सह-सचिव





श्रीमती अनन्या दास, आई.ए.एस

राज्य परियोजना निर्देशक
ओसेपा, ओडिशा

ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम
प्राधिकरण (ओसेपा), भुवनेश्वर
कार्यालय: ० ६७४-२३९५३२५
ईमेल: opepaedu@yahoo.co.in

प्रस्तावना

वर्ष 2024-25 में ओडिशा में प्रधान मंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना का शुभारंभ राज्य में शैक्षिक रूपांतरण के एक नए युग का प्रारंभ है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की प्रमुख पहल के रूप में परिकल्पित यह योजना मौजूदा विद्यालयों को ऐसे आदर्श संस्थानों के रूप में विकसित करने का उद्देश्य रखती है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की दृष्टि और मार्गदर्शक सिद्धांतों का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

ओडिशा में इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 462 विद्यालयों का अनुमोदन किया गया है। इन संस्थानों को 21वीं सदी के उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अधिगम, समावेशिता और समग्र विकास का अवसर प्राप्त होगा। इन विद्यालयों में मूलभूत शिक्षण को सुदृढ़ करने, नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियाँ अपनाने, अनुभवात्मक एवं जिज्ञासा-आधारित अधिगम को प्रोत्साहित करने, आईसीटी एवं डिजिटल उपकरणों के समेकन, तथा कला, खेल, सतत विकास और व्यावसायिक कौशल के प्रति अभिवृत्ति विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पीएम-श्री विद्यालयों की एक विशिष्ट विशेषता यह है कि वे अपने भीतर उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ आसपास के विद्यालयों के लिए मार्गदर्शक संस्थान के रूप में भी कार्य करेंगे। इस प्रकार, ये विद्यालय पूरे राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को उन्नत करने हेतु गुणात्मक प्रभाव उत्पन्न करेंगे।

यह वार्षिक रिपोर्ट प्रतिवेदन ओडिशा में वर्ष 2024-25 के दौरान पीएम-श्री योजना की प्रगति, विद्यालय चयन की प्रक्रिया तथा कार्यान्वयन की रूपरेखा का दस्तावेज प्रस्तुत करता है। यह योजना हमें ऐसे विद्यालय स्थापित करने में सहायक है, जो वास्तव में एनईपी 2020 की भावना के अनुरूप आदर्श संस्थान बनकर विद्यार्थियों को एक गतिशील एवं ज्ञान-आधारित विश्व में सफलता प्राप्त करने हेतु तैयार करेंगे।

राज्य परियोजना निर्देशक



विषय-सूची

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ सं.
1	कार्यकारी सारांश 2024-25	01
2	योजना प्रक्रिया और कार्यान्वयन व्यवस्था	15
3	वार्षिक रिपोर्ट 2024-25	19
3.1	पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन	19
3.2	एक्सेस इन्फ्रास्ट्रक्चर - पर्याप्तता, कार्यक्षमता, सौंदर्यशास्त्र और सुरक्षा	53
3.3	समावेशी व्यवहार और लैंगिक समानता	79
3.4	मानव संसाधन और स्कूल नेतृत्व	87
3.5	पीएम श्री के तहत अभिनव गतिविधियाँ	89
4	अनुबंध	96



संक्षिप्त रूप और परिवर्णी शब्द

एडब्ल्यूपी&बी	वार्षिक कार्य योजना और बजट
बीआरपी	ब्लॉक संसाधन व्यक्ति
बीएस	बेसलाइन उपलब्धि अध्ययन
बीपीएल	गरीबी रेखा से नीचे
बीईओ	खंड शिक्षा अधिकारी
बीआरसी	ब्लॉक संसाधन केंद्र
सीसीई	सतत व्यापक मूल्यांकन
सीआर	पूर्णता दर
सीआरसी	क्लस्टर संसाधन केंद्र
सीटीई	शिक्षक शिक्षा के कॉलेज
सीटीएस	बाल ट्रेकिंग सिस्टम
सीपीडी	सतत व्यावसायिक विकास
सीडब्ल्यूएसएन	विशेष आवश्यकता वाले बच्चे
डी.एल.आई	जिला लिंकड संकेतक
डी.पी.सी	जिला परियोजना समन्वयक
सीएसएस	केंद्र प्रायोजित योजना
डीईओ	जिल्हा शिक्षा अधिकारी
डाइट	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
डीआर	ड्रॉपआउट दर
ईसीसीई	बचपन की देखभाल और शिक्षा
एफए&सीएओ	वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
एफएलएन	मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता
जीईआर	सकल नामांकन अनुपात
जीपी	ग्राम पंचायत
एचएचएस	हाउस होल्ड सर्वे
आईएसई	संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन के
आईओसी	स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए हस्तक्षेप
आईसीटी	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी
केजीबीवी	कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय
केआरपी	प्रमुख संसाधन व्यक्ति
एलईपी	लर्निंग एन्हांसमेंट प्रोग्रामएम

आईएस	प्रबंधन सूचना प्रणाली
एनएसए	नॉन-स्टेट एक्टर्स
एनएसएस	राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण
एनईपी	नई शिक्षा नीति
एनईआर	नेट नामांकन अनुपात
ओओएससी	स्कूल से बाहर के बच्चे
OSEPA	ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण
पीएम	परियोजना प्रबन्धन
पीएफएमएस	सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली
पीएबी	परियोजना अनुमोदन बोर्ड
पीटीआर	छात्र-शिक्षक अनुपात
क्यूएमटी	गुणवत्ता निगरानी उपकरण
आरटीई अधिनियम	शिक्षा का अधिकार अधिनियम
आरसीएफसीई अधिनियम	बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम
आरएफडी	परिणाम फ्रेमवर्क दस्तावेज़
आरएमएसए	राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
आरआर	प्रतिधारण दर/पुनरावृत्ति दर
एसएसी	राज्य आकलन प्रकोष्ठ
एस.आई.एस	राज्य कार्यान्वयन सोसायटी
एस.आई.जी	राज्य प्रोत्साहन अनुदान
एस.पी.डी.	राज्य परियोजना निदेशक
एससी/एसटी	अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति
एसएस	समग्र शिक्षा
एससीईआरटी	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
एसडीजी	सतत विकास लक्ष्य
एसडीएमआईएस	छात्र डेटा प्रबंधन सूचना प्रणाली
SMC	स्कूल प्रबंधन समिति
एसआईजी	राज्य प्रोत्साहन अनुदान
सितारों	राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को मजबूत करना
टीईआई	अध्यापक शिक्षा संस्थान
टीटी	शिक्षक प्रशिक्षण
यू.सी.	उपयोगिता प्रमाणपत्र
वीएसके	विद्या समीक्षा केंद्र

ओसेपा के बारे में

ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण, एस एंड एमई विभाग, ओडिशा सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त निकाय है। इसे ३० जनवरी, १९९६ को पंजीकरण संख्या १९९६४/१९९२ के साथ सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के तहत समान गुणवत्ता शिक्षा के सार्वभौमिकरण के दृष्टिकोण के साथ पंजीकृत किया गया था, इस दिशा में प्रयास जो ओडिशा प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण के तहत योजनाओं के कार्यान्वयन के साथ शुरू हुए, २०१८ तक जारी रहे और समग्र शिक्षा, ओडिशा की शुरुआत के बाद ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) के तहत शामिल हुए।

ओसेपा को स्कूल शिक्षा के सभी हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन के लिए काम करने वाले पेशेवरों की एक बहु-अनुशासनात्मक कोर टीम होने पर गर्व है। एक विद्या समिक्षा केंद्र निगरानी और सूचना के समय संग्रह के लिए कार्य कर रहा है।

नामांकन, शिक्षक और स्कूल के बुनियादी ढांचे पर नज़र रखने के लिए, UDISE + एक उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रणाली का उपयोग डेटा भंडारण, अद्यतन और विश्लेषण और साझाकरण के लिए किया जाता है। राज्य परियोजना अधिकारी और ३० जिला कार्यालयों दोनों में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को सक्षम किया गया है।

ओसेपा के पास विशेष रूप से बाल केंद्रित पुस्तकों, राज्य की पाठ्य पुस्तकों और अन्य बोर्डों के विषय पर एक अच्छी तरह से स्टॉक पुस्तकालय है। ओएसईपीए हस्तक्षेप, खाता, आरटीआई, पत्रिकाओं, संपादकीय से संबंधित प्रकाशन, वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा के साथ करंट अफेयर्स आदि।

ओसेपा स्कूली शिक्षा की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए नागरिक समाज संगठनों के साथ विभिन्न विभागों, शैक्षणिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से काम करता है।

शिकायत निवारण तंत्र प्रशासन के चक्र में एक महत्वपूर्ण कारक है। कुशल शिकायत निवारण तंत्र सुनिश्चित करने और पूरे सिस्टम को जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए हर सोमवार को राज्य स्तर पर शिकायत दिवस के रूप में निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, स्कूल छात्र हेल्पलाइन राज्य भर के छात्रों तक पहुंचने के लिए एक अद्वितीय तंत्र स्थापित किया गया है। सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए टोल फ्री नंबर १८००-३४५६७२२ के साथ-साथ ऑनलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज की जा सकती है।

क्षमता निर्माण कार्यान्वयन कौशल के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में है। इसलिए, सभी राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के हितधारकों की क्षमता निर्माण राज्य स्तर पर संरचनात्मक तरीके से किया जाता है।

ओसेपा (ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण) अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी शैक्षिक योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच हो। ओसेपा एक समान और समावेशी कक्षा वातावरण बनाने पर केंद्रित है, जहां विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्र कामयाब हो सकते हैं। इसमें सीखने की प्रक्रिया में आवास शामिल है।



1. कार्यकारी सारांश 2024-25

पीएम श्री (प्रधान मंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना भारत सरकार की एक केंद्र प्रायोजित पहल है जिसका उद्देश्य देश भर के १४,५०० से अधिक मौजूदा स्कूलों को उत्कृष्टता के मॉडल संस्थानों में अपग्रेड करना और बदलना है। इन स्कूलों को भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण के साथ संरक्षित गुणवत्ता शिक्षा के आदर्श केंद्र बनने की कल्पना की गई है।

पीएम श्री की मार्गदर्शक ढांचा

- पीएम श्री स्कूलों को २१वीं सदी के मॉडल संस्थानों के रूप में डिजाइन किया गया है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के प्रमुख सिद्धांतों को प्रदर्शित करते हैं।
- वे समग्र शिक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए उत्कृष्टता, सलाह और आस-पास के स्कूलों का समर्थन करने वाले क्षेत्रीय प्रकाशस्तम्भ के रूप में कार्य करेंगे।
- इस योजना के तहत परिकल्पित उत्कृष्टता के मानदंडों को प्राप्त करने और बनाए रखने में स्कूलों का मार्गदर्शन करने के लिए एक संरचित ढांचा विकसित किया गया है।
- सहयोग और नेटवर्किंग के माध्यम से, ये स्कूल एक गुणक प्रभाव पैदा करेंगे, हर साल अनुकरणीय स्कूलों के पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करेंगे।

ओडिशा में पीएम श्री स्कूल (२०२४-२५)

ओडिशा में कार्यान्वयन के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और ओडिशा सरकार, एस एंड एमई विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है।

ओडिशा में, २०२४-२५ के दौरान दो चरणों में योजना के तहत ४६२ स्कूलों की सिफारिश की गई है। इनमें से, चौथे चरण में ४४९ स्कूलों को मंजूरी दी गई थी, और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा पांचवें चरण में अतिरिक्त १३ स्कूलों को मंजूरी दी गई थी।

ये स्कूल उच्च गुणवत्ता वाले, न्यायसंगत और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देकर एनईपी २०२० के विजन को साकार करेंगे। यह योजना २१ वीं सदी के लिए आवश्यक कौशल, मूल्यों और दक्षताओं के साथ शिक्षार्थियों को लैस करते हुए समग्र छात्र विकास पर जोर देती है।

चयन प्रक्रिया

पीएम श्री स्कूलों के चयन ने एक बहु-चरण प्रक्रिया के माध्यम से एक चुनौती पद्धति का पालन किया गया :

- पीएम श्री पोर्टल पर चिन्हित मापदंडों के आधार पर स्कूलों का पूर्व-चयन।
- पात्र विद्यालयों को अंतिम अनुमोदन तक आगामी चरणों में आगे बढ़ाना, जिसमें विद्यालय, जिला और राज्य सत्यापन, प्रस्तुति और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा अंतिम अनुमोदन शामिल है।

गुणवत्ता आश्वासन बेंचमार्क

प्रत्येक पीएम श्री स्कूल से गुणवत्ता के निम्नलिखित हॉलमार्क को प्रतिबिंबित करने की उम्मीद है:

- अध्यापन-शिक्षा में एनईपी २०२० प्रथाओं का प्रभावी प्रदर्शन।

- नामांकन और प्रगति को ट्रैक करने के लिए विशेष आवश्यकताओं (दिव्यांग) वाले बच्चों सहित व्यापक छात्र रजिस्ट्री।
- प्रत्येक बच्चे के सीखने के परिणामों में सुधार।
- प्रत्येक मध्यम श्रेणी के छात्र को अत्याधुनिक और २१ वीं शताब्दी के कौशल के लिए एक्सपोजर।
- यह सुनिश्चित करना कि कम से कम एक व्यावसायिक कौशल के साथ प्रत्येक माध्यमिक-ग्रेड छात्र स्नातक।
- सभी छात्रों के लिए खेल, कला और आईसीटी सुविधाओं तक पहुंच।
- स्कूलों में स्थिरता और हरे रंग की प्रथाओं को अपनाना।
- सलाह के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ संस्थागत संबंध।
- स्थानीय उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ संबंध।
- प्रत्येक बच्चे के लिए परामर्श और कैरियर मार्गदर्शन सेवाएं।

पीएम श्री स्कूलों के छह स्तंभ

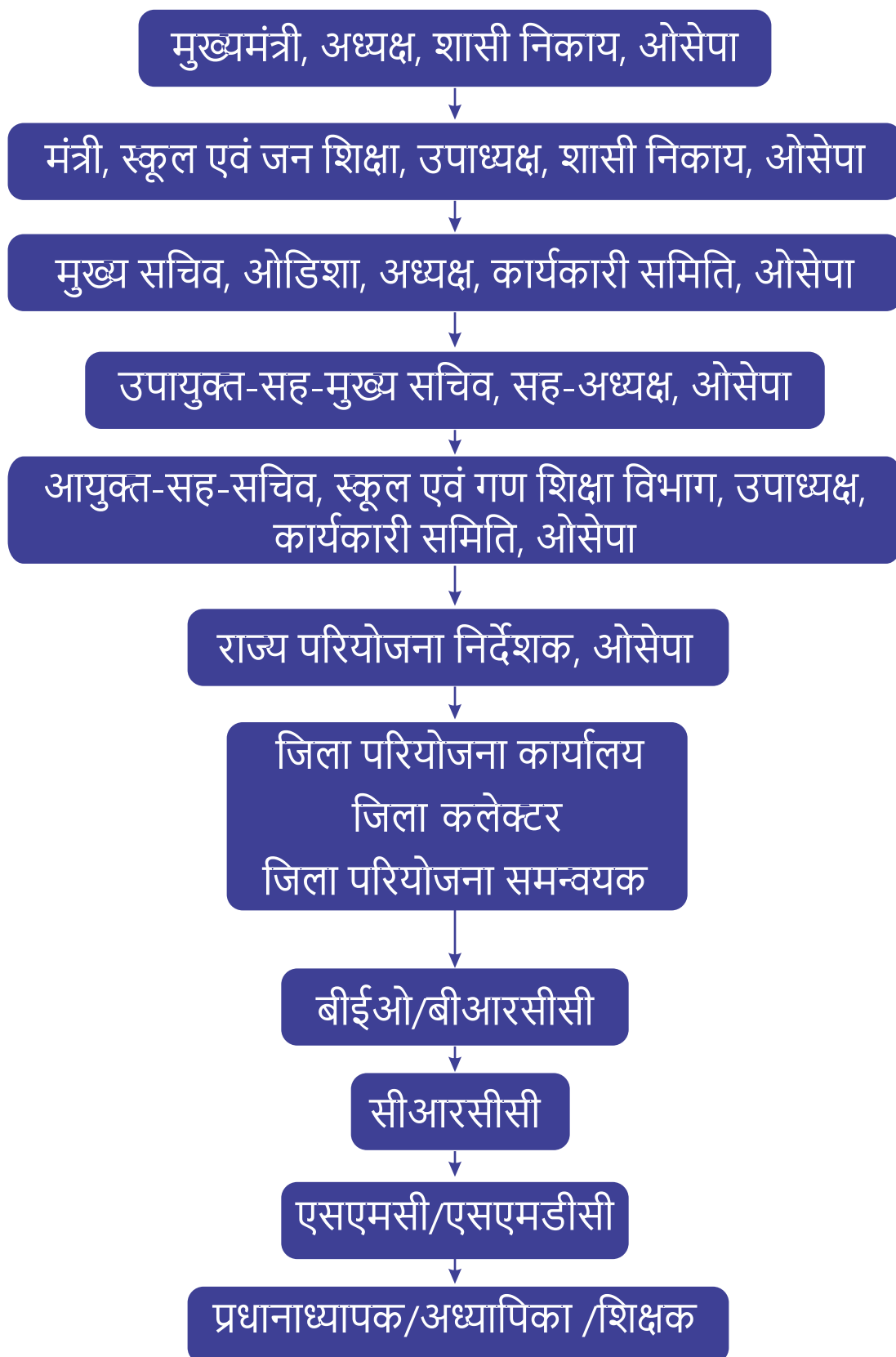
- एक्सेस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर – पर्याप्तता, कार्यक्षमता, सौंदर्यशास्त्र और सुरक्षा।
- लाभार्थी की संतुष्टि।
- पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन।
- मानव संसाधन और स्कूल नेतृत्व।
- समावेशी व्यवहार और लैंगिक समानता।
- प्रबंधन, निगरानी और शासन।

मुख्य विशेषताएं और उद्देश्य

- समग्र विकास - अकादमिक उत्कृष्टता, जीवन कौशल, और भावनात्मक कल्याण।
- २१ वीं सदी के कौशल - महत्वपूर्ण सोच, समस्या को सुलझाने, रचनात्मकता, और अनुकूलनशीलता।
- अभिनव शिक्षाशास्त्र - अनुभवात्मक, जांच-संचालित, और शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण।
- आधुनिक बुनियादी ढांचा - स्मार्ट कक्षाएं, प्रयोगशालाएं और संसाधन केंद्र।
- मेंटरशिप और लीडरशिप - पास के स्कूलों के लिए सलाहकारों के रूप में कार्य करना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना।
- इक्विटी और समावेश - सामाजिक-आर्थिक या क्षमता पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच सुनिश्चित करना।
- एनईपी २०२० के साथ संरेखण – एनईपी की दृष्टि को कक्षा प्रथाओं में अनुवाद करना।
- गुणवत्ता और जवाबदेही - पारदर्शी निगरानी और प्रदर्शन से जुड़े बेंचमार्क।

संक्षेप में, पीएम श्री एक परिवर्तनकारी पहल है जो अनुकरणीय स्कूलों का एक नेटवर्क बनाने का प्रयास करती है जो व्यापक शिक्षा प्रणाली के लिए मॉडल के रूप में काम करेगी, जो एक गतिशील दुनिया में ज्ञान, कौशल और मूल्यों से लैस भविष्य के लिए तैयार पीढ़ी को बढ़ावा देगी।

1.1 प्रशासनिक संरचना



1.1.1 ओसेपा - राज्य स्तरीय प्रकल्प बिभाग



1.1.2 ओसेपा - जिल्ला स्तरीय प्रकल्प बिभाग



1.2 विभिन्न संकेतकों का प्रगति अवलोकन

1.2.1 प्रशासनिक संकेतक

क्रम सं.	प्रशासनिक इकाइयां	संख्या
1	राजस्व जिले	30
2	शैक्षिक ब्लॉक	314
3	ब्लॉक शिक्षा कार्यालय (BEO)	314
4	क्लस्टर संसाधन केंद्र (CRC)	4,806
5	ग्राम पंचायतें	6,794
6	राजस्व गांव	53,845
7	बस्तियां	1,23,781

1.2.2 जनसांख्यिकीय संकेतक

विवरण	2011	2001
समुदाय जनसंख्या	41,974,218	36,804,660
पुरुष	21,212,136	18,660,570
महिला	20,762,082	18,144,090
लिंग अनुपात	979	972
क्षेत्र किमी ²	1,55,707	155,707
घनत्व/किमी ²	269	236
साक्षरता	72.87	63.08
पुरुष साक्षरता	81.59	75.35
महिला साक्षरता	64.01	50.51

1.3 शैक्षिक संकेतक – 2024.25

1.3.1 विद्यालय / अनुभाग सारांश (2024-25)

विद्यालय प्रबंधन	प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I-V)	अपर प्राइमरी (I/VI-VII/VIII)	कुल प्राथमिक विद्यालय	कुल माध्यमिक विद्यालय	कुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	कुल
शिक्षा विभाग	26454	14888	41342	4694	765	46801
आदिवासी कल्याण विभाग+ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	430	773	1203	381	110	1694
अन्य राज्य सरकार प्रबंधित विद्यालय	6	2	8	4	7	19
टोटल सरकारी स्कूल (राज्य)	26890	15663	42553	5079	882	48514
सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल	285	1383	1668	3337	793	5798
टोटल सरकारी स्कूल और सहायता प्राप्त स्कूल	27175	17046	44221	8416	1675	54312
SSEPD द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त	14	36	50	20	0	70
केंद्र सरकार प्रबंधित प्रबंधित	0	1	1	3	9	13
निजी सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त)	776	3351	4127	814	1186	6127
प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त	441	418	859	64	22	945
केवी / जेएनवी	1	0	1	15	82	98
समुदाय स्कूल	28407	20852	49259	9332	2974	61565

मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.3.2 नामांकन (2024-25)

विद्यालय प्रबंधन	प्राथमिक (कक्षा 1-5)	उच्च प्राथमिक (कक्षा 6-8)	प्राथमिक माध्यमिक (कक्षा 1-8)	माध्यमिक (कक्षा 9-10)	उच्चतर माध्यमिक (कक्षा 11-12)	कुल नामांकन (कक्षा 1 - 12)
शिक्षा विभाग	2280373	1454344	3734717	671989	121499	4528205
आदिवासी कल्याण विभाग+ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	172460	173575	346035	65735	15774	427544
अन्य राज्य सरकार प्रबंधित प्रबंधित	841	1363	2204	905	1976	5085
टोटल सरकारी स्कूलों नामांकन (राज्य)	2453674	1629282	4082956	738629	139249	4960834
सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल	23149	119207	142356	346184	456912	945452
टोटल सरकारी स्कूल और सहायता प्राप्त स्कूल नामांकन	2476823	1748489	4225312	1084813	596161	5906286
SSEPD द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त	2764	1415	4179	508	0	4687
केंद्र सरकार प्रबंधित प्रबंधित	1222	2108	3330	1043	1260	5633
निजी सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त)	699889	323369	1023258	150656	306673	1480587
प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त	52826	15500	68326	5533	5091	78950
केवी / जेएनवी नामांकन के बिना कुल नामांकन	3233524	2090881	5324405	1242553	909185	7476143
केवी / जेएनवी (वर्तमान वर्ष)	27486	24850	52336	15797	10367	78500
कुल नामांकन	3261010	2115731	5376741	1258350	919552	7554643

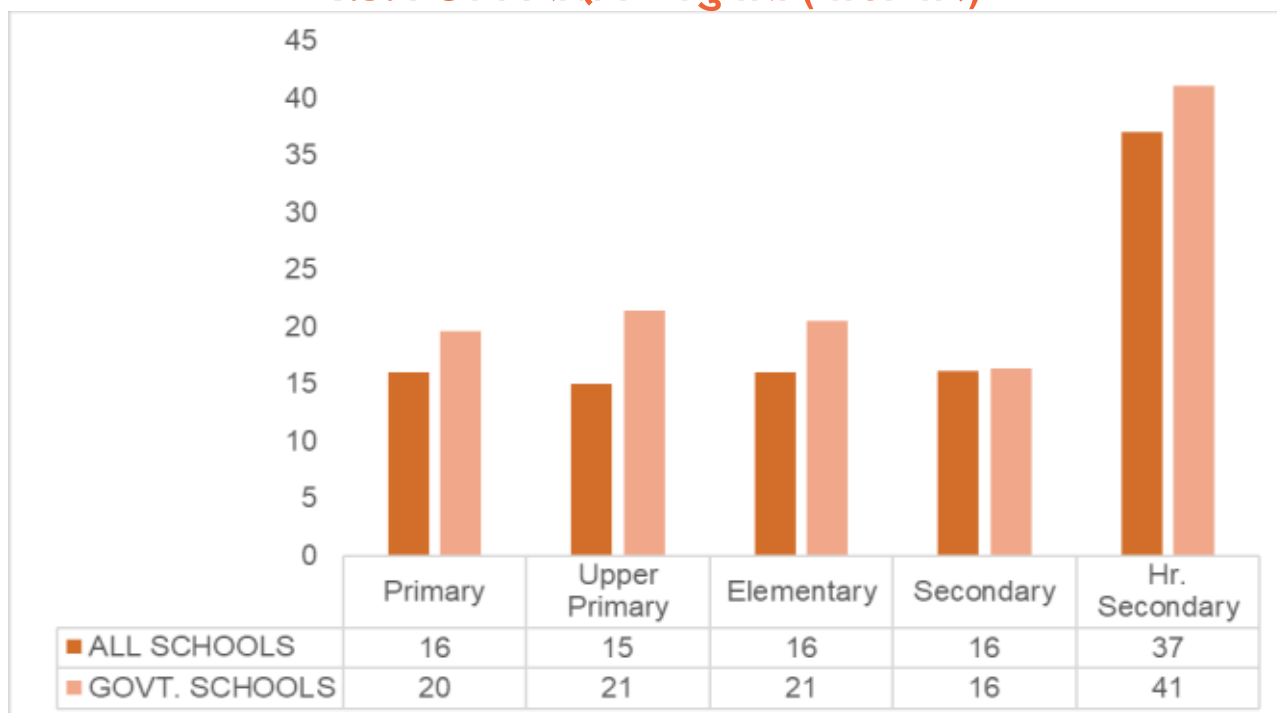
मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.3.3 शिक्षक (2024-25)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक	उच्च प्राथमिक	प्राथमिक शिक्षक	माध्यमिक	एचआर. माध्यमिक	समुदाय शिक्षक
शिक्षा विभाग	83195	78072	161267	41116	2953	205336
आदिवासी कल्याण विभाग+ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	1831	3868	5699	3353	578	9630
अन्य राज्य सरकार प्रबंधित प्रबंधित	22	8	30	54	36	120
टोटल सरकारी स्कूल शिक्षक (राज्य)	85048	81948	166996	44523	3567	215086
सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल शिक्षक	933	2495	3428	19465	9312	32205
टोटल सरकारी स्कूल और सहायता प्राप्त स्कूल शिक्षक	85981	84443	170424	63988	12879	247291
SSEPD द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त	254	241	495	61		556
केंद्र सरकार प्रबंधित स्कूल	22	37	59	99	95	253
निजी सहायता प्राप्त स्कूल (मान्यता प्राप्त)	29108	34474	63582	10809	11138	85529
प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त	4584	2345	6929	568	167	7664
केवी / जेएनवी	773	176	949	1001	873	2823
समुदाय शिक्षक	120722	121716	242438	76526	25152	344116

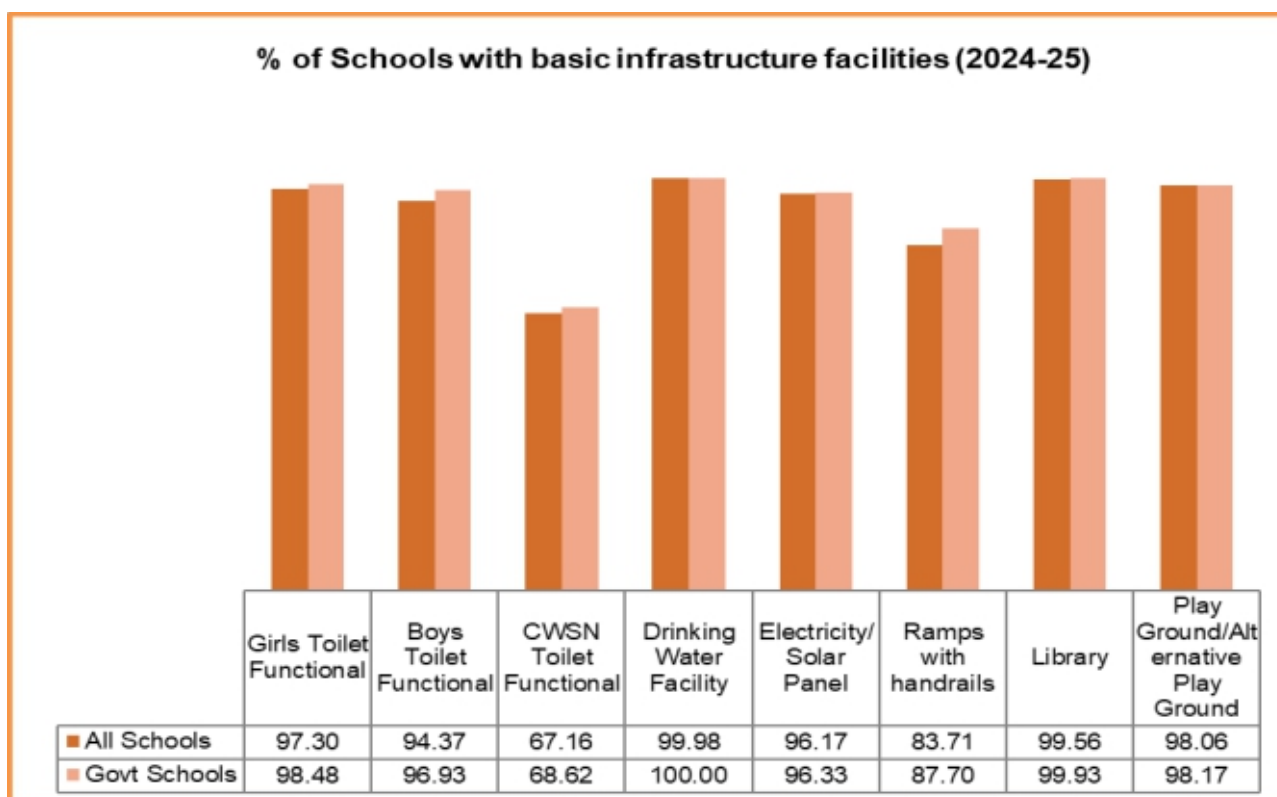
मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.3.4 छात्र शिक्षक अनुपात (पीटीआर)



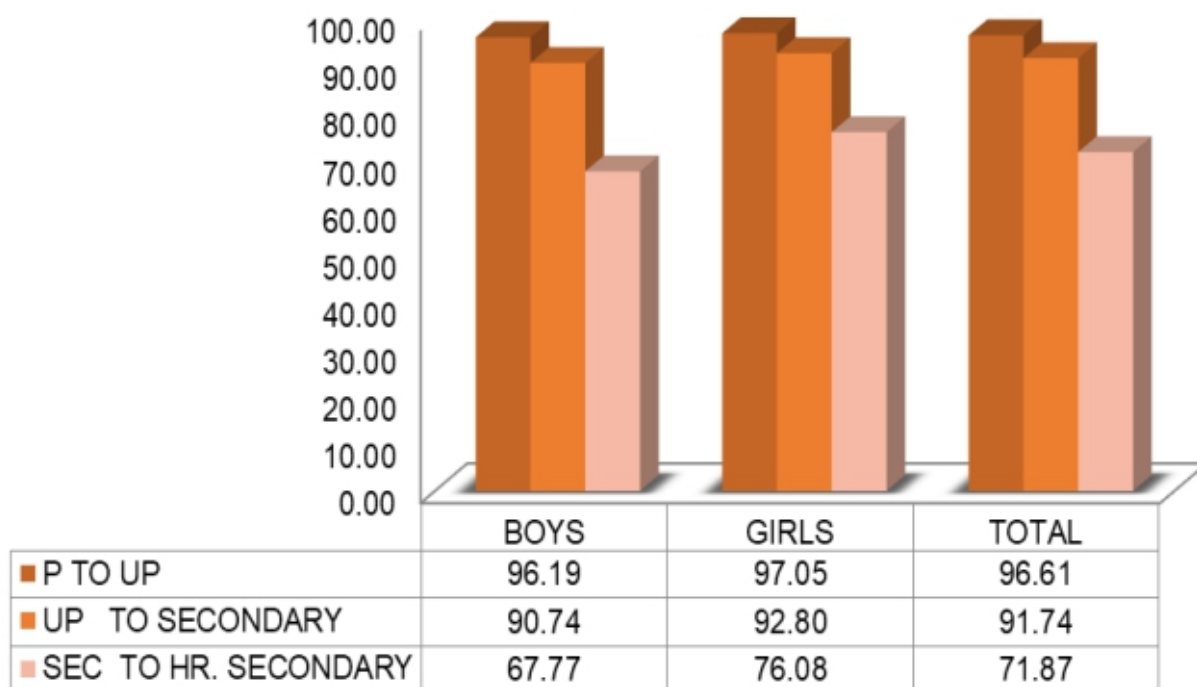
मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.3.5 बुनियादी ढांचे वाले स्कूल



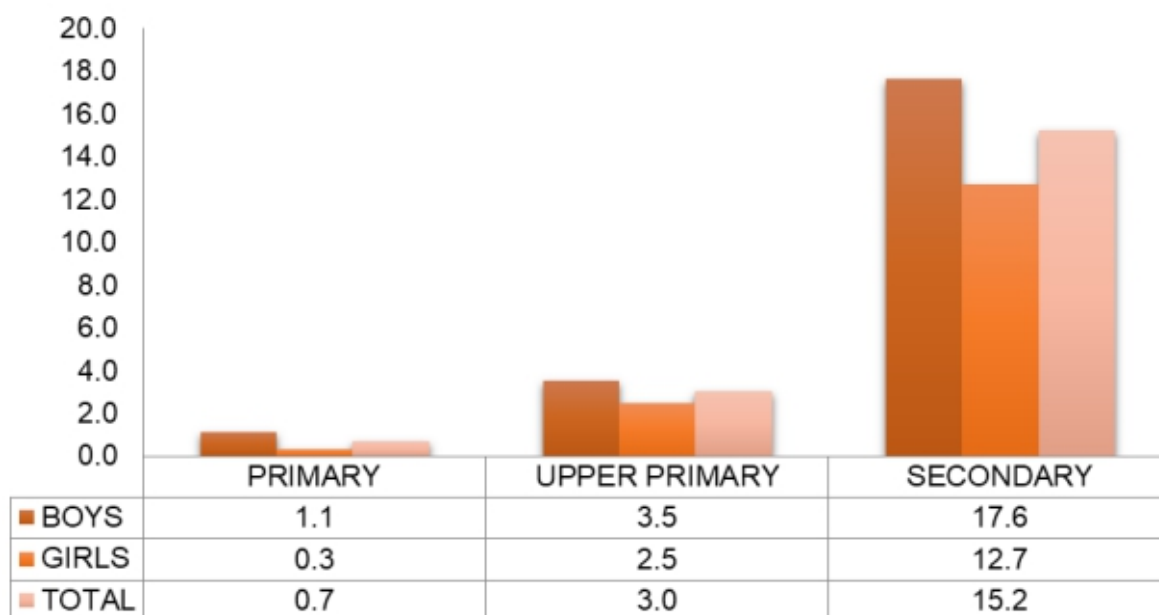
मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.3.6 संक्रमण दर



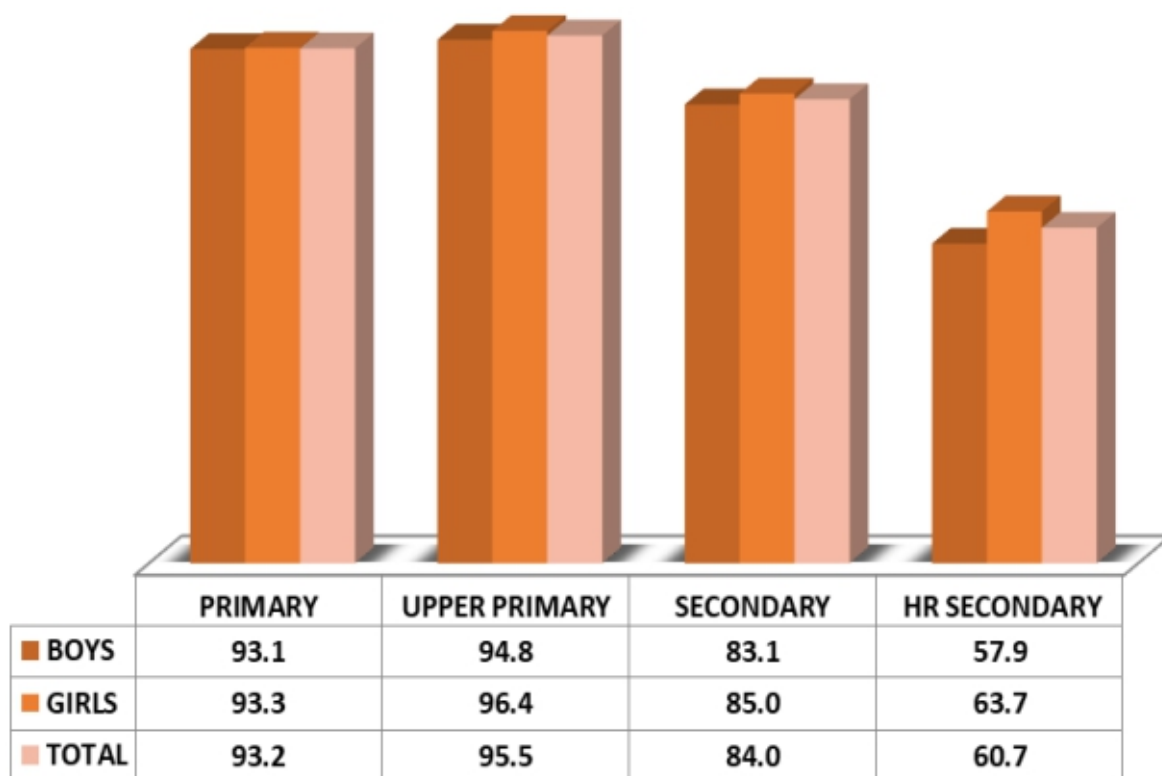
मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.3.7 वार्षिक औसत ड्रॉपआउट दर



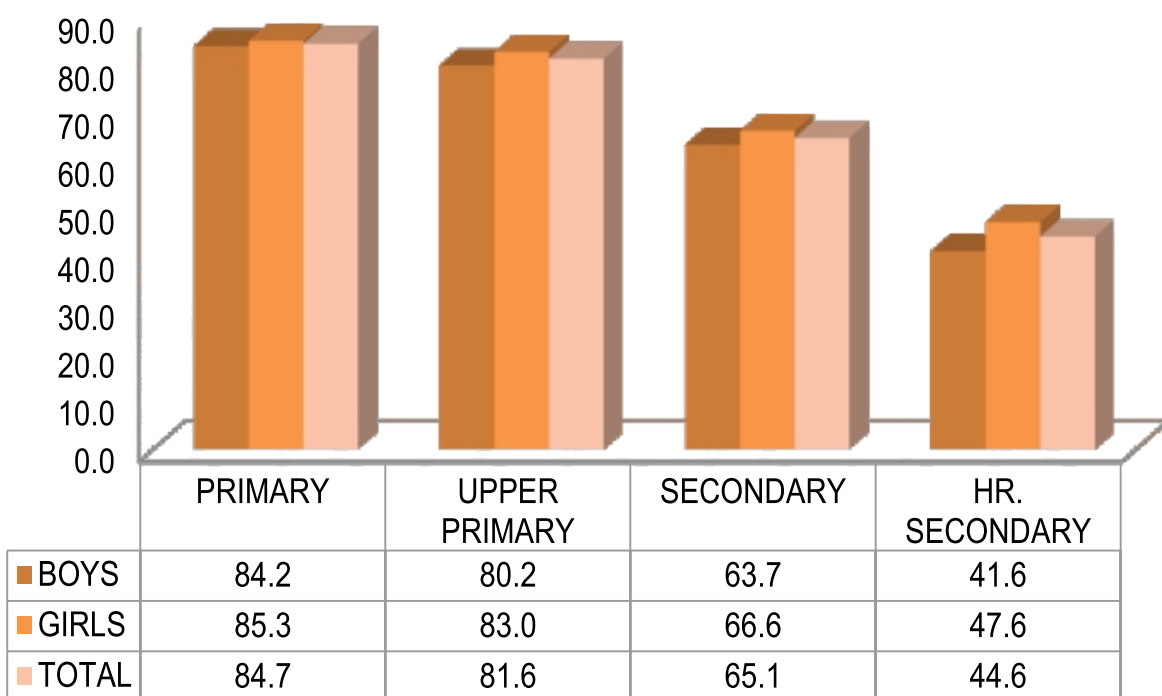
मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.3.8 सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.3.9 शुद्ध नामांकन अनुपात (एनईआर)



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

1.4 पीएम श्री स्कूल के शैक्षिक संकेतक, 2024.25

1.4.1 स्कूल/अनुभाग सार (2024-25)

क्रम संख्या	जिला	उच्च प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	हायर सेकेंडरी स्कूल का सुदृढीकरण	समुदाय स्कूल
1	अनगुल	1	10		11
2	बालासोर	1	17		18
3	बारगढ़	2	14		16
4	भद्रक		11		11
5	बोलांगीर	2	15	4	21
6	बौध	1	3		4
7	कटक		19		19
8	देवगड		3	1	4
9	ढेंकनाल		12	1	13
10	गजपति		8	5	13
11	गंजम	3	32	4	39
12	जगतसिंहपुर		9	1	10
13	जाजपुर		11	1	12
14	झारसुगुडा	2	6		8
15	कालाहांडी	2	13	4	19
16	कंधमाल		14	6	20
17	केंद्रपाड़ा		9	2	11
18	क्योंझर	2	14	3	19
19	खोरधा	1	14	1	16
20	कोरापुट	2	13	4	19
21	मलकानगिरी		8	3	11
22	मयूरभंज	1	29	2	32
23	नबरंगपुर		19		19
24	नयागड		12	1	13
25	नुआपाड़ा		6	2	8
26	पूरी	1	16		17
27	रायगड	1	10	4	15
28	संबलपुर	2	7	4	13
29	सोनपुर		6	2	8
30	सुंदरगढ़	2	17	4	23
महायोग		26	377	59	462

1.4.2 नामांकन (2024-25) पीएम श्री स्कूल

क्रम संख्या	जिला	प्राथमिक	उच्च प्राथमिक	कुल प्राथमिक	माध्यमिक	उच्चतर माध्यमिक	समुदाय नामांकन
1	अनगुल	626	2462	3088	2669		5757
2	बालासोर	1743	3748	5491	4546		10037
3	बारगढ़	945	2502	3447	2751		6198
4	भद्रक	753	2087	2840	2510		5350
5	बोलांगीर	1533	4117	5650	4207	737	10594
6	बौध	180	408	588	817		1405
7	कटक	1444	3974	5418	4061		9479
8	देवगड	236	549	785	668	126	1579
9	ढेंकनाल	777	2168	2945	2772	118	5835
10	गजपति	684	2779	3463	2655	679	6797
11	गंजम	3742	8897	12639	9148	456	22243
12	जगतसिंहपुर	551	2067	2618	2103	128	4849
13	जाजपुर	837	2684	3521	2658	128	6307
14	झारसुगुडा	543	1247	1790	1066		2856
15	कालाहांडी	1439	3737	5176	3367	716	9259
16	कंधमाल	895	4457	5352	3460	394	9206
17	केंद्रपाड़ा	638	2467	3105	2556	256	5917
18	क्योंझर	1332	3722	5054	2777	514	8345
19	खोरधा	1609	3889	5498	4166	119	9783
20	कोरापुट	1200	4102	5302	3884	866	10052
21	मलकानगिरी	594	2660	3254	3030	617	6901
22	मयूरभंज	1466	7387	8853	6230	245	15328
23	नबरंगपुर	2043	4049	6092	4633		10725
24	नयागड	1458	3095	4553	2835	125	7513
25	नुआपाड़ा	257	1658	1915	1813	256	3984
26	पूरी	733	3679	4412	4314		8726
27	रायगढ़	804	3626	4430	3383	537	8350
28	संबलपुर	725	2242	2967	2085	725	5777
29	सोनपुर	463	1329	1792	1903	527	4222
30	सुंदरगढ़	1754	4430	6184	4360	550	11094
महायोग		32004	96218	128222	97427	8819	234468

1.4.3 शिक्षक (2024-25) पीएम श्री स्कूल

क्रम संख्या	जिला	शिक्षकों की नहीं
1	अनगुल	163
2	बालासोर	329
3	बारगढ़	233
4	भद्रक	154
5	बोलांगीर	352
6	बौध	53
7	कटक	320
8	देवगड	67
9	ढेंकनाल	190
10	गजपति	244
11	गंजम	634
12	जगतसिंहपुर	171
13	जाजपुर	205
14	झारसुगुडा	134
15	कालाहांडी	284
16	कंधमाल	289
17	केंद्रपाड़ा	154
18	क्योंझर	254
19	खोरधा	283
20	कोरापुट	272
21	मलकानगिरी	165
22	मयूरभंज	469
23	नबरंगपुर	277
24	नयागड	252
25	नुआपाड़ा	136
26	पूरी	331
27	रायगढ़	205
28	संबलपुर	189
29	सोनपुर	137
30	सुंदरगढ़	375
महायोग		7321

2. योजना प्रक्रिया और कार्यान्वयन व्यवस्था

ओडिशा में पीएम श्री (प्रधान मंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) स्कूलों का चयन और कार्यान्वयन एक संरचित तीन-चरण चैलेंज विधि के माध्यम से किया गया था, जिसके बाद प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक और क्षमता निर्माण के उपाय किए गए थे। इस प्रक्रिया को चयनित स्कूलों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के मूल सिद्धांतों का प्रदर्शन करने वाले अनुकरणीय संस्थानों में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

चयन प्रक्रिया

पीएम श्री स्कूलों का चयन तीन चरणों में किया गया:

- **चरण I – समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर**
 - ❖ भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और ओडिशा सरकार, स्कूल और गण शिक्षा विभाग के बीच राज्य में पीएम श्री योजना को लागू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।
- **चरण II - योग्य स्कूलों की पहचान**
 - ❖ योग्य स्कूलों का एक पूल यूडीआईएसई + डेटा और अन्य निर्धारित न्यूनतम बेंचमार्क के आधार पर शिक्षा मंत्रालय द्वारा बनाया गया था।
 - ❖ शॉर्टलिस्ट किए गए स्कूलों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पीएम श्री स्कूल चयन पोर्टल पर अपने आवेदन जमा किए।
- **चरण III - चुनौती विधि मूल्यांकन**
 - ❖ स्कूलों ने निर्दिष्ट मानदंडों के अनुपालन का प्रदर्शन करने के लिए चुनौती प्रक्रिया में भाग लिया।
 - ❖ शहरी स्कूलों को न्यूनतम ७०% स्कोर हासिल करने की आवश्यकता थी, जबकि ग्रामीण स्कूलों को अर्हता प्राप्त करने के लिए न्यूनतम ६०% की आवश्यकता थी।
 - ❖ स्कूलों द्वारा प्रस्तुत दावों और आंकड़ों को संबंधित अधिकारियों द्वारा भौतिक निरीक्षण के माध्यम से सत्यापित किया गया था।
 - ❖ राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने बाद में शिक्षा मंत्रालय को स्कूलों की सत्यापित सूची की सिफारिश की।
 - ❖ अंतिम चयन शिक्षा मंत्रालय द्वारा चुनौती प्रक्रिया के परिणामों के आधार पर किया गया था।

प्रशासनिक व्यवस्था

- राज्य परियोजना निदेशक, ओसेपा को ओडिशा में पीएम श्री कार्यान्वयन के लिए राज्य नोडल अधिकारी (एसएनओ) के रूप में नामित किया गया था।
- राज्य में पीएम श्री योजना को लागू करने और राज्य स्तर पर चयन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। राज्य में योजना और कार्यान्वयन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, समिति के सदस्य स्कूलों की सूची को अंतिम रूप देने, पीएम श्री कार्य की प्रगति की निगरानी जैसी गतिविधियों को किया।
- जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ)-सह-जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) को जिला स्तर के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए जिला नोडल अधिकारी (डीएनओ) के रूप में नियुक्त किया गया था (पत्र संख्या १८५२४ / एसएमई दिनांक ०१.०८.२०२४)।

क्षमता निर्माण और अभिविन्यास

सुचारू और मानकीकृत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, क्षमता निर्माण कार्यक्रम कई स्तरों पर आयोजित किए गए थे:

- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने शिक्षा मंत्रालय के निदेशक की अध्यक्षता में पीएम श्री स्कूलों के चयन, इसके मानदंडों आदि पर उन्मुखीकरण के लिए एक वर्चुअल बैठक आयोजित की। पीएम श्री के तहत स्कूलों के चयन और

शिक्षा मंत्रालय से इसकी मंजूरी के बाद, सभी जिलों को पीएम श्री के तहत स्कूलों की मंजूरी के बारे में सूचित किया गया।

- ०१.०८.२०२४ को आयोजित एक वर्चुअल बैठक के माध्यम से कार्यान्वयन दिशानिर्देशों पर सभी डीईओ-सह-डीपीसी, जिला योजना समन्वयक, जिला स्तर के प्रोग्रामर और राज्य स्तर के अधिकारियों का अभिविन्यास किया गया।
- योजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए जिला शिक्षा अधिकारियों को जिला नोडल अधिकारी-पीएम श्री घोषित किया गया है।
- सभी जिलों को पीएम श्री स्कूलों के चयन के मानदंडों पर स्कूलों को उन्मुख करने के लिए कहा गया था। सरकारी स्कूलों से अधिकतम भागीदारी को चुनौती मोड के माध्यम से पीएम श्री चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- पीएम श्री स्कूल चयन को अंतिम रूप देने के लिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को प्रशिक्षण दिया गया।
- चयन प्रक्रिया के दौरान स्कूलों ने जिला नोडल अधिकारियों द्वारा आगे के सत्यापन के लिए सूचित दिशानिर्देशों के अनुसार पोर्टल में अपने स्कूल से संबंधित जानकारी, तस्वीरें और अन्य आवश्यक दस्तावेज अपलोड किए।
- स्कूल चयन प्रक्रिया के दौरान राज्य नोडल अधिकारियों को भी एक यादृच्छिक सत्यापन और इनपुट के लिए स्कूलों का दौरा किया गया।
- चयन मानदंड एक तीन स्तरीय चयन प्रक्रिया का पालन किया। यानी सभी जिले ने राज्य को स्कूलों की सूची प्रदान की। राज्य परियोजना कार्यालय ने एसएमई विभाग से इसकी मंजूरी के बाद स्कूल सूची को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को भेज दिया। सभी राज्य वार स्कूलों की मंजूरी के बाद शिक्षा मंत्रालय ने मंजूरी प्रदान की।
- पीएम श्री योजना के तहत स्कूलों को अंतिम रूप देने पर ०३-०९-२०२५ को स्कूल और गण शिक्षा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।
- कार्यान्वयन प्रक्रिया में अभिसरण और स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए एसपीओ और डीपीओ के सभी हस्तक्षेप प्रमुखों के लिए क्षमता निर्माण सत्र आयोजित किए गए थे।
- सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए।



एसपीडी, ओडेपा के अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैठक





3. वार्षिक रिपोर्ट 2024-25

3.1: पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन

समग्र रिपोर्ट कार्ड

कार्यकलाप १: समग्र रिपोर्ट कार्ड

समग्र रिपोर्ट कार्ड (एचआरसी), जिसे **समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी)** भी कहा जाता है, को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० और एनसीईआरटी दिशानिर्देशों के अनुरूप व्यापक छात्र मूल्यांकन को बढ़ावा देने के लिए पीएम श्री पहल के तहत एक प्रमुख नवाचार के रूप में पेश किया गया है। पारंपरिक रिपोर्ट कार्ड के विपरीत जो मुख्य रूप से अंक और ग्रेड को प्रतिबिंबित करते हैं, एचआरसी एक छात्र के विकास का एक बहुआयामी दृश्य प्रदान करता है। यह निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रगति को कैप्चर करता है:

- **अकादमिक प्रदर्शन:** विषय-वार सीखने के परिणाम और शैक्षिक उपलब्धियां।
- **सह-पाठ्यक्रम जुड़ाव:** खेल, कला, सांस्कृतिक गतिविधियों और रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी।
- **जीवन कौशल और दक्षताओं:** महत्वपूर्ण सोच, संचार, टीम वर्क, समस्या को सुलझाने, और नेतृत्व।
- **मूल्य और व्यवहार के पहलू:** विविधता, अनुशासन, जिम्मेदारी और सामाजिक-भावनात्मक कल्याण के लिए सम्मान।

ओडिशा में, इस पहल में राज्य में अनुमोदित सभी ४४९ पीएम श्री स्कूलों को शामिल किया गया है। **समग्र रिपोर्ट कार्ड** इस प्रकार स्कूलों में मूल्यांकन प्रथाओं में इक्विटी सुनिश्चित करता है और समग्र सीखने के परिणामों को ट्रैक करने के लिए एक बाल-केंद्रित मूल्यांकन ढांचा प्रदान करता है।

प्रगति

गतिविधि को संचालित करने के लिए, निम्नलिखित कदम उठाए गए थे:

१. डिजाइन और विकास:

- एनसीईआरटी के ढांचे के आधार पर ओडिशा में पीएम श्री स्कूलों के लिए एक अनुकूलित एचपीसी टेम्पलेट तैयार किया गया था।
- डिजाइन में मात्रात्मक संकेतक (अंक, ग्रेड, भागीदारी स्तर) और गुणात्मक प्रतिबिंब (छात्रों द्वारा आत्म-मूल्यांकन, शिक्षकों से प्रतिक्रिया, और माता-पिता द्वारा टिप्पणियों) दोनों शामिल हैं।

२. अभिविन्यास और प्रसार:

- इस टेम्पलेट को समान रूप से अपनाने के लिए सभी ४४९ पीएम श्री स्कूलों के साथ साझा किया गया था।
- शिक्षकों को समग्र मूल्यांकन के उद्देश्य के बारे में जागरूक किया गया और एचपीसी को भरने और व्याख्या करने के तरीके पर निर्देशित किया गया।

३. कार्यान्वयन:

- चिन्हित स्कूलों में एचपीसी छापकर सभी छात्रों को वितरित किया गया।
- स्कूलों ने प्रत्येक बच्चे के शैक्षणिक प्रोफाइल के साथ-साथ गैर-शैक्षिक विकास को ट्रैक करने के लिए कार्ड का उपयोग शुरू कर दिया है।

- कुछ स्कूलों ने अभिभावकों की सहभागिता को मजबूत करने के लिए एच.पी.सी. प्रक्रिया को अभिभावक-शिक्षक बैठकों के साथ भी एकीकृत किया।

४. निगरानी:

- जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारी प्रारंभिक कार्यान्वयन की निगरानी कर रहे हैं।
- बाद के चक्रों में टेम्पलेट के शोधन के लिए स्कूलों और शिक्षकों से प्रतिक्रिया एकत्र की जा रही है।

समायोजन :

समग्र रिपोर्ट कार्ड एक आवश्यक उपकरण है जो रोटे-आधारित मूल्यांकन से दूर जाने और योग्यता-आधारित, प्रारंभिक मूल्यांकन की ओर जाता है। इसकी प्रासंगिकता और औचित्य इस प्रकार है:

- मूल्यांकन का व्यापक दायरा: यह छात्र विकास का ३६० डिग्री दृश्य प्रदान करता है, न केवल अकादमिक उपलब्धियों को कैप्चर करता है, बल्कि जीवन कौशल, रचनात्मकता, सामाजिक मूल्य और सह-पाठ्यचर्या हितों को भी कैप्चर करता है।
- बाल केंद्रित दृष्टिकोण: प्रत्येक बच्चे की ताकत, रुचियों और क्षमता पर ध्यान केंद्रित करके, यह शिक्षकों और माता-पिता को अधिक व्यक्तिगत तरीके से शिक्षार्थियों का समर्थन करने में सक्षम बनाता है।
- एनईपी २०२० के साथ संरेखण: एचआरसी ने अंकों के परीक्षण के बजाय समझने के लिए सीखने पर जोर देने के लिए मूल्यांकन प्रणालियों को बदलने की एनईपी की दृष्टि को संचालित किया है।
- बेहतर सीखने के परिणाम: छात्र प्रगति की नियमित मैपिंग शिक्षकों को शुरुआती अंतराल की पहचान करने और लक्षित शैक्षणिक और भावनात्मक समर्थन प्रदान करने में मदद करती है।
- माता-पिता और समुदाय की भागीदारी: समग्र प्रदर्शन विवरण साझा करके, एचपीसी शिक्षकों, माता-पिता और छात्रों के बीच सार्थक संवाद सक्षम बनाता है।
- इकित्ती और मानकीकरण: पीएम श्री के ४४९ स्कूलों में एक साझा प्रारूप राज्य भर में मूल्यांकन पद्धतियों और परिणामों की तुलनात्मकता में एकरूपता सुनिश्चित करता है।

परिणाम

अधिक व्यापक छात्र प्रोफाइल, शिक्षाविदों से परे संतुलित विकास को प्रोत्साहित करना।

PM SHRI SALIPUR GOVT. HIGH SCHOOL
SALIPUR, CUTTACK

PM SHRI
Creating better and more excited learners
Empower with the 21st century skills

Assessment and Evaluation Report

Session: _____ / _____

Name: _____

Class: _____ Sec: _____ Roll No: _____

DOB: ____/____/____ House: _____ Udis Code: _____

Parents Details

Father's Name: _____

Mother's Name: _____

Personal Details

Height: _____ Weight: _____

Attendance: _____ Blood Group: _____



CO-SCHOLASTIC PROGRESS					
PERSONAL & SOCIAL STATUS AND QUALITIES					
Physical Health	Height	Weight	Grade		Grade
Personal Qualities	Regularity		Library and Cultural Activities	Song & Music	
	Punctuality			Dance	
	Discipline			Drama	
	Cleanliness			Art (Drawing)	
Attitude	Towards Teachers		Games & Sports		
	Towards Classmates		Total No. of Working Days		
	Towards School Programme		No. of Days Present		
	Responsibility		% of Attendance		
Interest	Creative writing		Parent's Signature		
	Debates				
	Yoga & Exercise etc.				
	Raid Cross, Scout N.C.C. etc.				

ପିଏମ୍ ଶ୍ରୀ ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟ
ଆଇ. ଆର୍. ସି. ଭିଲେଜ୍, ଭୁବନେଶ୍ୱର-୧୫
ମୁଗାବୁ ବୋର୍ଡ-୨୧୧୭୧୩୦୧୦୦୧
ପିଏମ୍ ଶ୍ରୀ | PM SHRI

ସାମଗ୍ରିକ ପ୍ରଗତି ପତ୍ର
(ବୃଦ୍ଧି ସମ୍ବଳିତ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରସ୍ତୁତ)
ଫର୍ମ୍‌ନମ୍ବର - ୨୦ - ୨୦

Name of the Student.....



Distribution of Holistic Progress Card



PM SHRI Govt High School, IRC Village

SCHOOL BASED EVALUATION CURRICULAR PROGRESS

Curricular Subjects	IA-1 (Out of 10)	IA-2 (Out of 10)	AC (Term-1) Out of 20	Half-yearly Exam.		IA-3 (Out of 10)	IA-4 (Out of 10)	AC (Term-2) Out of 20	Curricular Subjects	Annual Exam.		Total Mark Obtained (Out of 80)	IA & AC (Out of 20)	Total Mark Secured in Annual Exam	Grade
				Full Mark	Mark Secured					Full Mark	Mark Secured				
First Language				100					First Language	100					
Second Language				100					Second Language	100					

खेल और शारीरिक शिक्षा

कार्यकलाप २: खेल का मैदान / आउटडोर / इनडोर खेल सुविधाओं का विकास

क्रियान्वयन के चरण

i. भूमि स्वामित्व और अनुपालन

- खेल से संबंधित सभी बुनियादी ढांचे को कानूनी अनुपालन, उचित स्वामित्व और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए स्कूल के नाम पर आधिकारिक तौर पर दर्ज भूमि पर सख्ती से विकसित किया जाना चाहिए।

ii खेल के मैदान की तैयारी

- उचित जल निकासी प्रणाली के साथ खेल के मैदान की समतल और सफाई।



एक साफ और समतल खेल का मैदान

रेत गड्ढे और अन्य बुनियादी प्रारंभिक कार्यों का प्रावधान।

iii आउटडोर खेल सुविधाएं

- वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, फुटबॉल ग्राउंड, क्रिकेट ग्राउंड, रनिंग ट्रैक, स्किपिंग यार्ड, आदि का विकास।
- एस एंड एमई विभाग के शारीरिक स्कूल के शिक्षा शिक्षक (पीईटी) और संबंधित जिला खेल अधिकारी के साथ समन्वय में कार्यान्वयन, पर्याप्त प्लेफील्ड क्षेत्र सुनिश्चित करना।

iv. इनडोर खेल सुविधाएं

- टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, लूडो आदि का प्रावधान, पीईटी, एस एंड एमई विभाग और जिला खेल अधिकारी के साथ समन्वय में।
- किसी भी मौजूदा कमरे / हॉल को सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ इनडोर खेलों के लिए पुनर्निर्मित या अनुकूलित किया जा सकता है।



स्कूल की इमारतों से सटे खुले मैदान, फुटबॉल / क्रिकेट मैदान बनाने के लिए आदर्श



पीएम श्री स्कूलों में इंडोर गेम्स

निष्पादन का तरीका

- कार्यान्वयन की जिम्मेदारी - डीईओ-सह-डीपीसी, समग्र शिक्षा कार्यों के निष्पादन के लिए सीधे जिम्मेदार होगी।
- एसएमसी भागीदारी - "प्रमुख मरम्मत" प्रमुख के तहत कार्यों को अंतिम रूप देने में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए स्कूल प्रबंधन समितियां (एसएमसी), पारदर्शिता और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करती हैं।

समायोजन:

- UDISE+ के आंकड़ों के अनुसार, पीएम श्री अनुमोदन के तहत ४४९ में से ४२५ स्कूलों में पहले से ही खेल के मैदान हैं।
- इसलिए, इन स्कूलों में मौजूदा खेल के मैदानों, इनडोर सुविधाओं और आउटडोर खेल क्षेत्रों के विकास / उन्नयन के लिए बजट प्रस्तावित है।

शामिल करने के लिए काम

- खेल कोर्ट का विकास (विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार)
- खेल क्षेत्रों के लिए स्कूल सीमा की पहचान और सीमांकन
- साइनेज की स्थापना।

अपेक्षित परिणाम

- उन्नत शिक्षण वातावरण:** अच्छी तरह से विकसित खेल के मैदान और खेल सुविधाएं एक संतुलित और हर्षित स्कूली शिक्षा के अनुभव में योगदान करती हैं।
- समग्र बाल विकास:** संरचित खेल के अवसरों तक पहुंच छात्रों को उनके संज्ञानात्मक, सामाजिक और शारीरिक कौशल को मजबूत करने में मदद करती है।
- जीवन कौशल को बढ़ावा देना:** खेल और खेल टीम वर्क, अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व और लचीलापन के मूल्यों का पोषण करते हैं।
- स्वास्थ्य और कल्याण:** नियमित शारीरिक गतिविधि एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देती है, तनाव को कम करती है और शिक्षाविदों में एकाग्रता में सुधार करती है।
- समावेशिता और भागीदारी:** इनडोर और आउटडोर खेल विकल्पों में विविधता लाकर, विभिन्न हितों और क्षमताओं के बच्चों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- एनईपी 2020 के साथ संरेखण:** स्कूल पाठ्यक्रम के एक आवश्यक भाग के रूप में खेल और शारीरिक शिक्षा को एकीकृत करने की नीति की दृष्टि का समर्थन करता है।





कार्यकलाप ३: खेल उपकरण

पीएम श्री स्कूलों में खेल उपकरणों का प्रावधान स्कूलों में खेल संस्कृति को मजबूत करने और छात्रों की शारीरिक फिटनेस, कौशल और समग्र विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था। यह स्वीकार करते हुए कि शारीरिक गतिविधि समग्र शिक्षा का एक अभिन्न अंग है, पहल न केवल सामग्री की आपूर्ति पर केंद्रित है, बल्कि संरचित भागीदारी के लिए अवसर बनाने पर भी केंद्रित है।

इस पहल के तहत कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार थीं:

खेल समूहों का गठन

विभिन्न खेल विषयों में छात्रों के समूहों को उनके हितों, योग्यता और प्रतिभा के अनुसार बनाना सुनिश्चित किया जाता है।

- इस समूह ने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक बच्चे को पसंद का खेल मिले, सक्रिय भागीदारी और निरंतर जुड़ाव को प्रोत्साहित किया।
- समूहों ने छात्रों के बीच टीम भावना, सहकर्म सीखने और नेतृत्व गुणों को पोषित करने में मदद की।

खेल सामग्री की आपूर्ति

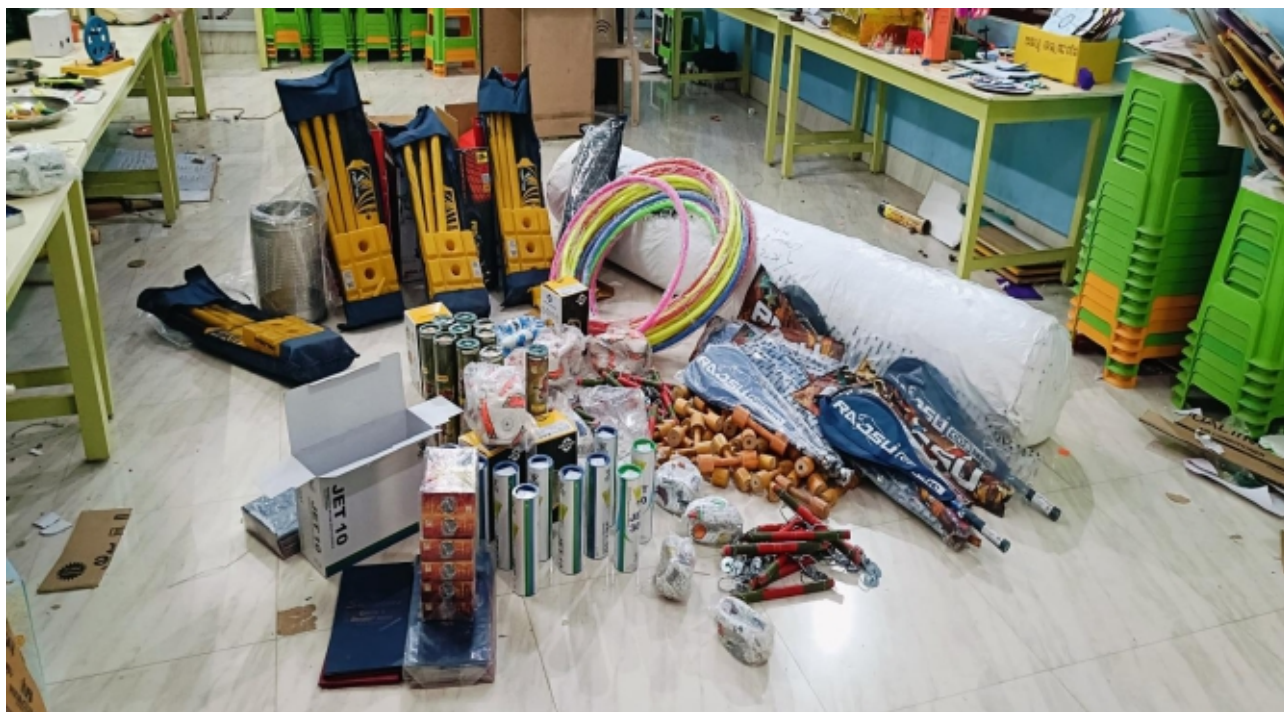
इनडोर और आउटडोर खेल उपकरणों की एक व्यापक श्रृंखला स्कूलों को आपूर्ति की गई थी, जैसे:

- नेट, बैडमिंटन रैकेट, शटलकॉक और रिंग बॉल किट।
- क्रिकेट और अन्य लोकप्रिय क्षेत्र खेलों के लिए बल्ला, गेंद और उपकरण।
- टीम-आधारित खेलों के लिए बास्केटबॉल सेट और वॉलीबॉल किट।
- उपकरणों का चयन आयु-उपयुक्तता, खेल विकल्पों की विविधता और सभी छात्रों के लिए समावेशिता को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

परिणाम

पीएम श्री स्कूलों को खेल सुविधाओं से लैस करने की पहल से कई सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं:

- **विद्यार्थी भागीदारी में वृद्धि:** संरचित समूहों और उचित उपकरणों की उपलब्धता ने अधिक छात्रों को नियमित रूप से खेल में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित किया।
- **कौशल विकास:** छात्रों ने मानक खेल उपकरणों के संपर्क में आने में मदद की, जिससे उन्हें अपनी खेल तकनीकों में सुधार करने और अभ्यास में अनुशासन सीखने में मदद मिली।
- **समग्र विकास:** खेल ने बच्चों के शारीरिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक विकास में योगदान दिया, एनईपी २०२० के अच्छी तरह से गोल शिक्षा के दृष्टिकोण का समर्थन किया।
- **स्वास्थ्य और फिटनेस:** नियमित खेल गतिविधियों ने फिटनेस, धीरज और तनाव में कमी को बढ़ावा दिया, एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया।
- **टीमवर्क और नेतृत्व:** समूह-आधारित खेल के माध्यम से, छात्रों ने सहयोग, टीम भावना और नेतृत्व क्षमताओं का विकास किया।
- **सुरक्षा आश्वासन:** प्राथमिक चिकित्सा सामग्री के प्रावधान ने एक सुरक्षित खेल वातावरण बनाया, जिससे छात्रों को चोट के डर के बिना आत्मविश्वास से भाग लेने में सक्षम बनाया गया।





परियोजना नवाचार

कार्यकलाप ४: सीसीटीवी

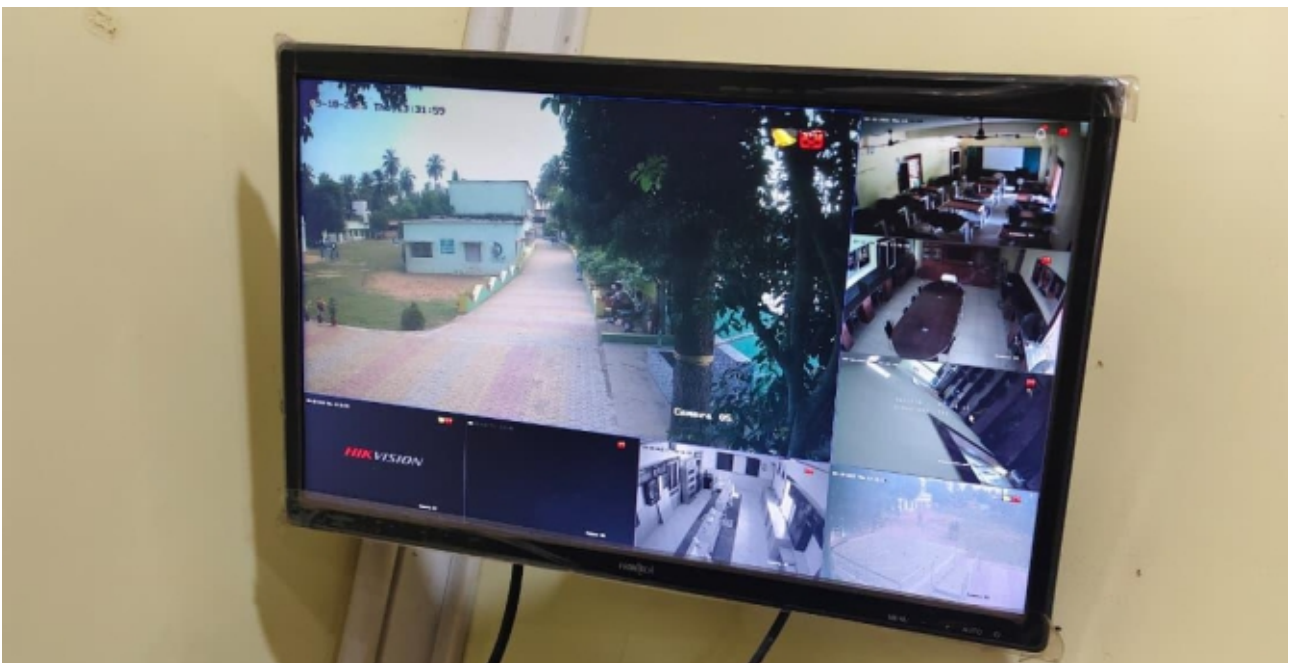
- पीएम श्री के तहत २०२४-२५ में ४४९ स्कूलों में सीसीटीवी को मंजूरी दी गई है। यह प्रत्येक पीएम श्री स्कूल की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित कैमरों की संख्या के साथ इनडोर और आउटडोर निगरानी दोनों के लिए डीवीआर सेट के साथ स्थापित आईपी-आधारित सीसीटीवी सिस्टम के लिए योजना बनाई गई है।
- अधिकतम दृश्यता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रवेश द्वार, गलियारे, कक्षाओं, खेल के मैदान और अन्य कमजोर स्थानों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को कवर किया गया।
- रात दृष्टि क्षमता के साथ उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरों का उपयोग दिन और रात दोनों के दौरान स्पष्ट निगरानी सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।
- निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए सॉफ्टवेयर अपडेट, हार्डवेयर सर्विसिंग और दोषपूर्ण घटकों के प्रतिस्थापन सहित सीसीटीवी सिस्टम का नियमित रखरखाव किया गया।
- किसी भी घटना के मामले में वास्तविक समय देखने और त्वरित कार्रवाई के लिए हेडमास्टर / प्रिंसिपल के कार्यालय में मॉनिटर का उचित स्थान सुनिश्चित किया गया।

समायोजन:

- पीएम श्री स्कूलों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना का उद्देश्य सुरक्षा को मजबूत करना, अनुशासन बनाए रखना और छात्रों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ सीखने का माहौल बनाना था।

परिणाम

- स्कूल परिसर के भीतर सुरक्षा और सुरक्षा में वृद्धि।
- छात्रों के बीच बदमाशी और अनियंत्रित व्यवहार की घटनाओं में सुधार और कमी।
- आगंतुक व्यवहार और प्रतिबंधित अनधिकृत प्रविष्टि की प्रभावी निगरानी सक्षम।
- दृश्य रिकॉर्ड प्रदान किए गए जिनका उपयोग घटनाओं के मामले में समीक्षा और जांच के लिए किया जा सकता है।



कार्यकलाप ५: छात्रों और शिक्षकों के लिए आइडेंटिटी कार्ड

कार्रवाई बिंदु

- पीएम श्री स्कूलों के सभी छात्रों को आइडेंटिटी कार्ड जारी करने के लिए कदम उठाए गए हैं।
- प्रत्येक छात्र और शिक्षक को एक अद्वितीय पीएम श्री लोगो / नंबर सौंपा गया।
- प्रत्येक आई-कार्ड पर नाम, फोटो, कक्षा / स्थिति, स्कूल का नाम और आधिकारिक पीएम श्री लोगो के साथ असाइन की गई आईडी मुद्रित की गई।
- स्कूलों में स्कूल प्रशासन के माध्यम से आई-कार्ड वितरित किए।
- सुनिश्चित छात्रों और शिक्षकों ने स्कूल के घंटों के दौरान अपने आई-कार्ड और आसान पहचान के लिए आधिकारिक कार्यक्रमों को पहना।



समायोजन :

- प्रतिबंधित क्षेत्रों जैसे शैक्षणिक ब्लॉक, कंप्यूटर रूम और पुस्तकालयों तक नियंत्रित पहुंच।
- पीएम श्री स्कूलों के सदस्यों के रूप में छात्रों और शिक्षकों को एक औपचारिक पहचान प्रदान की, जो गर्व और मान्यता को बढ़ावा देती है।
- पीएम श्री स्कूलों और उनके महत्व के बारे में सामुदायिक जागरूकता में वृद्धि।

परिणाम

- छात्र और शिक्षक सगाई और संबंधित की भावना को मजबूत किया।
- हितधारकों के बीच पीएम श्री स्कूलों की बेहतर मान्यता।
- योजना और निगरानी उद्देश्यों के लिए छात्र और शिक्षक जानकारी तक आसान पहुंच सक्षम की गई।

कार्यकलाप ६: छात्रों और शिक्षकों के लिए पीएम श्री लोगो बैज

कार्रवाई बिंदु

- पीएम श्री स्कूलों की पहचान का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक अद्वितीय पीएम श्री लोगो को डिजाइन और अंतिम रूप दिया गया।
- सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए लोगो को शामिल करते हुए वर्दी बैज विकसित किए।
- यह सुनिश्चित किया गया कि लोगो डिजाइन पीएम श्री स्कूलों की दृष्टि, मूल्यों और विशिष्टता को दर्शाता है।
- दैनिक उपयोग के लिए उपयुक्त उच्च गुणवत्ता, टिकाऊ बैज के उत्पादन के लिए विक्रेताओं के साथ समन्वित।
- सभी छात्रों और शिक्षकों को बैज वितरित किए और उन्हें स्कूल के घंटों और आधिकारिक कार्यक्रमों के दौरान पहनने का निर्देश दिया।

समायोजन :

- पीएम श्री स्कूलों के लिए एक विशिष्ट और पहचानने योग्य दृश्य पहचान बनाई।
- स्कूल और समुदाय के भीतर पीएम श्री स्कूलों के सदस्यों के रूप में छात्रों और शिक्षकों की तत्काल पहचान सक्षम।

परिणाम

- इसने पीएम श्री स्कूलों की ब्रांड पहचान को मजबूत करने में मदद की।
- समुदाय के सदस्यों और हितधारकों को तुरंत पीएम श्री स्कूलों के मिशन, मूल्यों और मानकों के साथ लोगो को जोड़ने में मदद की।

कार्यकलाप ७: स्कूल बैंड गतिविधियों

छात्रों में एकता, देशभक्ति और गर्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए पीएम श्री स्कूलों में स्कूल बैंड गतिविधियों को शुरू किया गया है। इन गतिविधियों को राष्ट्रवादी मूल्यों को पुनर्जीवित करने, टीम वर्क का पोषण करने और अपने स्कूल और राष्ट्र के साथ बच्चों के बीच गहरा भावनात्मक संबंध बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बैंड टीमों में भागीदारी भी छात्रों की समग्र भलाई, व्यक्तित्व विकास, और अकादमिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण योगदान देती है, उन्हें रचनात्मक अभिव्यक्ति और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करती है।

उद्देश्यों

- देशभक्ति और एकता को बढ़ावा देने के लिए
- एस्पिरिट डी कोर और टीमवर्क को बढ़ावा देना
- समग्र विकास को बढ़ावा देना
- राष्ट्रीय गौरव की भावना को फिर से जीवंत करना
- छात्रों को अनुशासन और प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना

लक्ष्य समूह: पीएम श्री स्कूलों में कक्षा VI से XII के छात्र

कार्यान्वयन की प्रक्रिया

- जिला स्तर पर डीपीओ, एसएस द्वारा बैंड वर्दी की खरीद की गई और मौजूदा बैंड टीमों और उपकरणों के साथ पीएम श्री स्कूलों को आपूर्ति की गई। प्रत्येक टीम के लिए अलग-अलग रंग और उचित फिटिंग सुनिश्चित की गई थी।
- प्रत्येक बैंड टीम, जिसमें लड़के या लड़कियां शामिल हैं, पीतल बैंड या पाइप बैंड उपकरणों से लैस थी।
- स्कूलों ने १५-दिवसीय बैंड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, अधिमानतः दोपहर में, जिले, आस-पास के जिलों या पुलिस / सेना के रेजिमेंटल केंद्रों के संसाधन व्यक्तियों (आरपीएस) / विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में।
- प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण के माध्यम से आरपीएस को प्रति दिन ₹१००० का मानदेय प्रदान किया गया था।
- प्रति दिन ₹२० पर बैंड के सदस्यों और समर्थन कर्मचारियों सहित ४० प्रतिभागियों को जलपान प्रदान किए गए थे।
- सभी वित्तीय लेनदेन वित्तीय प्रबंधन और खरीद पर समग्र शिक्षा नियमावली का पालन करते थे।
- स्कूलों ने बीओएस के माध्यम से डीपीओ को व्यय विवरण और उपयोग प्रमाण पत्र (यूसीएस) प्रस्तुत किए, जिन्हें बाद में समेकित किया गया और पीआरएबीएडीएच पोर्टल में अपलोड किया गया।

पीएम श्री योजना के तहत प्रोत्साहित गतिविधियों

- प्रशिक्षण और प्रदर्शन: पुलिस, सेना रेजिमेंटल केंद्रों और स्थानीय प्रशिक्षकों के विशेषज्ञों द्वारा नियमित बैंड प्रशिक्षण।
- राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भागीदारी: पीएम श्री स्कूल बैंड टीमों को गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने, नगर निगम स्तर की अग्रणी परेड करने और जिला स्तर के उत्सवों में प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता पीएम श्री स्कूलों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और नेशनल स्कूल बैंड प्रतियोगिता के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में लगे हुए हैं, जिसमें स्कूलों में पाइप और पीतल दोनों बैंड काम कर रहे हैं।
- समग्र विकास: प्रदर्शन से परे, बैंड गतिविधियों ने अपने सह-पाठ्यचर्या सीखने के हिस्से के रूप में छात्रों के बीच अनुशासन, आत्मविश्वास और टीमवर्क को बढ़ावा दिया।

इन पहलों के माध्यम से, ओडिशा में पीएम श्री योजना के तहत स्कूल बैंड गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देते हुए देशभक्ति, टीमवर्क और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत मंच के रूप में उभरी हैं।



पीएम श्री हाई स्कूल, बीईएल पहाड, झारसुगुड़ा



पीएम श्री हाई स्कूल, बालीकुडा



कार्यकलाप ८: स्कूल साइनेज

पीएम श्री योजना के तहत, प्रति स्कूल ₹०.२० लाख के वित्तीय आवंटन के साथ मानकीकृत स्कूल साइनेज की स्थापना के लिए प्रावधान किया गया था। इस गतिविधि का उद्देश्य सभी प्रधान मंत्री श्री स्कूलों को एक समान पहचान और दृश्यता प्रदान करना है, यह सुनिश्चित करना है कि वे आसानी से पहचानने योग्य हों और छात्रों, कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के लिए गर्व की भावना रखते हों।

कार्यान्वयन

१. फ्रॉन्ट और भाषा

- स्कूल के नाम स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भ के आधार पर ओडिया / अंग्रेजी / या ओडिया और अंग्रेजी दोनों में प्रदर्शित किए गए थे।
- फ्रॉन्ट शैली और आकार को अंतिम रूप देने के लिए ध्यान रखा गया था ताकि साइनेज एक दूरी से सौंदर्यवादी रूप से मनभावन और सुपाठ्य दोनों हो।

२. नामकरण सम्मेलन

- राष्ट्रीय ब्रांडिंग दिशानिर्देशों के साथ संरेखित करने के लिए "पीएम श्री" के साथ स्कूल के नाम को उपसर्ग करने के लिए कदम उठाए गए हैं।
- पीएम श्री लोगो और अभिलेख दोनों को प्रमुखता से शामिल किया गया।
- प्रत्येक स्कूल में अंतरिक्ष उपलब्धता और दृश्यता कारकों के आधार पर, प्रवेश द्वार पर या मुख्य स्कूल भवन के सामने साइनेज स्थापित किया गया था।

३. अभिलेख और लोगो का आकार

- अक्षरों और लोगो के आयामों को प्रत्येक स्कूल में उपलब्ध दीवार या गेट स्पेस के अनुरूप समायोजित किया गया था।

- हालांकि, स्कूलों में डिजाइन और शैली में एकरूपता बनाए रखने के प्रयास किए गए ताकि ब्रांडिंग लगातार राज्य भर में बनी रहे।

प्रक्रिया

- नियत प्रक्रिया/वित्तीय नियम का पालन करते हुए कार्य के निष्पादन के लिए संबंधित स्कूल के समक्ष रखी गई निधियां और निगरानी डीईओ/बीओएस तथा अन्य तकनीकी अधिकारियों द्वारा की गई है।

परिणाम

- राज्य के सभी पीएम श्री स्कूलों को मानकीकृत और आकर्षक साइनेज प्रदान किए गए थे।
- स्कूलों ने अपने-अपने इलाकों में एक अलग पहचान और दृश्यता प्राप्त की।
- साइनेज ने छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों के बीच गर्व और संबंध की भावना को बढ़ावा दिया।
- आगंतुकों, माता-पिता और हितधारकों ने स्कूलों की पहचान करना आसान पाया, इस प्रकार पहुंच और संचार में सुधार हुआ।
- इस गतिविधि ने ओडिशा में पीएम श्री स्कूलों की संस्थागत ब्रांडिंग को मजबूत करने में योगदान दिया।



कार्यकलाप ९: सेल्फी पॉइंट्स

पीएम श्री स्कूलों की पहचान और दृश्यता को मजबूत करने के हिस्से के रूप में, परिसरों में सेल्फी पॉइंट स्थापित किए गए थे। ये आकर्षक और इंटरैक्टिव प्रतिष्ठानों के रूप में कार्य करते थे जहां छात्र, शिक्षक, माता-पिता और आगंतुक तस्वीरें ले सकते थे, जिससे गर्व की भावना पैदा होती है और स्कूल समुदाय से संबंधित होती है।

कार्यान्वयन

१. आकार और आयाम

- प्रत्येक सेल्फी प्वाइंट का निर्माण ८ फीट चौड़ाई और ६ फीट ऊंचाई के न्यूनतम आकार के साथ किया गया था, जिससे छात्रों और आगंतुकों के समूहों के लिए इसे आराम से उपयोग करने के लिए पर्याप्त स्थान सुनिश्चित किया जा सके।

२. उपयोग सामग्री

- स्थायित्व और दीर्घायु सुनिश्चित करने के लिए, सभी मौसम प्रतिरोधी सामग्री जैसे स्टेनलेस स्टील फ्रेम, डब्ल्यूपीसी (लकड़ी-प्लास्टिक समग्र), एसीपी (एल्यूमिनियम कम्पोजिट पैनल), एक्रिलिक शीट और विनाइल सुनिश्चित किए जाते हैं।

३. प्लेसमेंट

- सेल्फी पॉइंट स्कूलों के प्रवेश द्वार के पास अधिमानतः स्थापित किए गए थे, उच्च दृश्यता और आसान पहुंच सुनिश्चित करते हैं।
- सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन परिवेश का चयन करने के लिए देखभाल की गई थी, जिसमें स्वच्छ और भूनिर्माण क्षेत्र समग्र रूप को बढ़ाते हैं।

४. डिजाइन

- साइट-विशिष्ट स्थितियों के आधार पर मामूली अनुकूलन की अनुमति देते समय ब्रांडिंग में एकरूपता बनाए रखने के लिए कार्यान्वयन के दौरान डिजाइन टेम्पलेट को मानकीकृत और स्कूलों के साथ साझा किया गया था।

परिणाम

- सेल्फी पॉइंट्स की स्थापना ने पीएम श्री स्कूलों के लिए एक जीवंत पहचान मार्कर बनाया।
- छात्र और आगंतुक सक्रिय रूप से सेल्फी पॉइंट्स से जुड़े हुए हैं, जिसने समुदाय और सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों के माध्यम से पीएम श्री ब्रांड को लोकप्रिय बनाने में मदद की।
- इस पहल ने छात्रों और कर्मचारियों के बीच गर्व, खुशी और स्वामित्व की भावना को बढ़ावा दिया।
- सौंदर्यपरक रूप से डिजाइन किए गए प्रतिष्ठानों ने स्कूल परिसर के सौंदर्यीकरण में योगदान दिया।

कार्यकलाप १०: पीएम श्री मेला / डुकन जात्रा

कार्रवाई बिंदु

- प्रदर्शनियों, मेलों और विशेष कार्यक्रमों के दौरान पीएम श्री स्कूलों की सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल स्थापित करें।

समायोजन:

- पीएम श्री मेला और डुकन जात्रा कार्यक्रमों ने छात्रों को अपने उद्यमशीलता कौशल, नवाचारों और रचनात्मक कार्यों को प्रस्तुत करने के लिए मंच प्रदान किए।
- इन घटनाओं ने कक्षा शिक्षा से परे टीम वर्क, आत्मविश्वास और व्यावहारिक सीखने को प्रोत्साहित किया।

परिणाम

- उद्यमशीलता और रचनात्मक गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी में वृद्धि।
- घटना प्रबंधन, सार्वजनिक व्यवहार, और प्रदर्शन कार्य में हाथों पर अनुभव प्रदान किया।
- उत्पाद प्रस्तुति, पदोन्नति और ग्राहक सगाई जैसी व्यावसायिक अवधारणाओं की बेहतर समझ।



कार्यकलाप ११: वार्षिक दिवस समारोह

उद्देश्य

वार्षिक दिवस समारोह का उद्देश्य सांस्कृतिक, कलात्मक और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देते हुए छात्रों की प्रतिभा और उपलब्धियों को प्रदर्शित करना था। इसने माता-पिता को शामिल करके और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का जश्न मनाते हुए स्कूल-सामुदायिक संबंधों को मजबूत करते हुए प्रदर्शन और प्रस्तुतियों के माध्यम से टीमवर्क, आत्मविश्वास और मंच के प्रदर्शन को बढ़ावा देने की भी मांग की।

विवरण

कार्यक्रम की योजना स्कूल प्रशासन द्वारा चरणबद्ध तरीके से शिक्षकों, सांस्कृतिक समन्वयकों और छात्र प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी के साथ बनाई गई थी। एक कोर समिति ने थीम चयन, कार्यक्रम डिजाइन, रिहर्सल, लॉजिस्टिक्स और स्टेज व्यवस्था का प्रबंधन किया। छात्र नृत्य, नाटक, संगीत, एंकरिंग और अन्य गतिविधियों में अपनी रुचि के अनुसार लगे हुए थे, कई हफ्तों तक अभ्यास के साथ। समारोह में माता-पिता और समुदाय के सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रदर्शन, पुरस्कार वितरण और गणमान्य व्यक्तियों और मेहमानों द्वारा भाषण, एक जीवंत और उत्सव का माहौल बनाना शामिल था।

प्रभाव

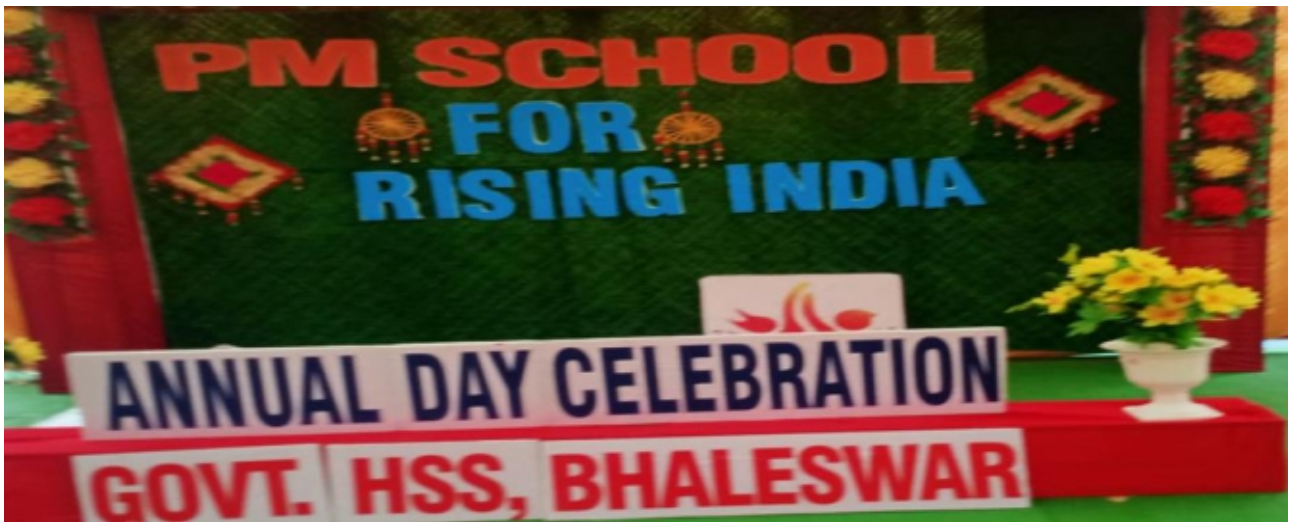
वार्षिक दिवस समारोह ने छात्रों को अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक मूल्यों को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जबकि उनके आत्मविश्वास और टीमवर्क को काफी बढ़ावा दिया। इससे छात्रों में गर्व, उपलब्धि और जुड़ाव की भावना पैदा हुई। शिक्षकों ने संचार, मंच की उपस्थिति और सहयोग कौशल में दृश्य सुधार देखा।

परिणाम

इस उत्सव में विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं में कक्षाओं के छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई- कलाकार, एंकर और समर्थन टीम। सभी शिक्षकों ने योजना, समन्वय और निष्पादन में योगदान दिया, जिससे घटना की सफलता सुनिश्चित हुई। माता-पिता और समुदाय के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया, उनके प्रोत्साहन और समर्थन का विस्तार किया।

इस कार्यक्रम ने स्कूली जीवन में छात्रों की प्रेरणा और जुड़ाव को बढ़ाया। प्रतिभागियों ने मजबूत संचार कौशल, नेतृत्व गुण और अनुशासन प्रदर्शित किया। इस उत्सव ने स्कूल-होम साझेदारी को भी मजबूत किया और समग्र स्कूल संस्कृति को समृद्ध किया, जो भविष्य की अतिरिक्त गतिविधियों के लिए अधिक उत्साह को प्रेरित करता है।





कार्यकलाप १२: खेल दिवस समारोह

उद्देश्य

वार्षिक खेल दिवस समारोह का उद्देश्य छात्रों के बीच शारीरिक फिटनेस, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। इसने समग्र शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में शारीरिक शिक्षा की भूमिका को उजागर करते हुए अनुशासन, लचीलापन और खेल भावना को बढ़ावा देने की भी मांग की।

विवरण

इस कार्यक्रम को स्कूल प्रशासन द्वारा शारीरिक शिक्षा शिक्षकों, घटना समन्वयकों और छात्र स्वयंसेवकों के साथ समन्वय में अच्छी तरह से योजनाबद्ध किया गया था। तैयारी में खेल की घटनाओं, अभ्यास कार्यक्रम और रसद व्यवस्था को अंतिम रूप देना शामिल था। शिक्षकों और प्रशिक्षकों ट्रेक और क्षेत्र की घटनाओं, टीम के खेल, और मजेदार दौड़ के लिए छात्रों को प्रशिक्षित किया। टीम भावना को मजबूत करने के लिए छात्र घरों का गठन किया गया था, जबकि समितियों ने मंच गतिविधियों, अतिथि समन्वय और पुरस्कार वितरण का प्रबंधन किया था। माता-पिता और समुदाय के सदस्यों को इस घटना को देखने और समर्थन करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिससे उत्सव का जीवंत माहौल बन गया।

प्रभाव

उत्सव ने शारीरिक गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी को सफलतापूर्वक बढ़ाया और नेतृत्व, सहयोग और टीमवर्क के मूल्यों को मजबूत किया। इसने छात्रों में उत्साह पैदा किया और स्कूल समुदाय के भीतर एकता और गर्व की भावना को बढ़ावा दिया।

परिणाम

खेल दिवस में विभिन्न वर्गों के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी देखी, जिसमें प्रत्येक छात्र कम से कम एक खेल आयोजन में शामिल था। शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों ने कार्यक्रम की योजना बनाने, आयोजन करने और पर्यवेक्षण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ताकि इसका सुचारू निष्पादन सुनिश्चित हो सके। इस कार्यक्रम ने माता-पिता और समुदाय के सदस्यों से उत्साही समर्थन भी प्राप्त किया, जिन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए बड़ी संख्या में भाग लिया।

उत्सव ने छात्रों के सहयोग, अनुशासन और खेल भावना में दृश्य सुधार का नेतृत्व किया। इसने दैनिक खेल गतिविधियों में भी अधिक रुचि पैदा की, कई छात्रों के साथ जो पहले अतिरिक्त गतिविधियों में कम शामिल थे,





पीएम श्री सरकारी हाई स्कूल, महोमुंडा, बोलनगीर में लड़ाकू खेल उपकरण





हॉकी – बोलंगीर जिला



खेल दिवस समारोह







कार्यकलाप १३: स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

पीएम श्री स्कूल में आयोजित छात्रों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर। नजदीकी सीएचसी/पीएचसी के डॉक्टरों को स्कूल में स्वास्थ्य शिविर का संचालन करने के लिए आमंत्रित किया गया। स्कूल स्तर के लिए आवंटित निधि का उपयोग टीए, डीए, गतिशीलता, डॉक्टरों के मानदेय, छात्रों के लिए जलपान पर किया गया था, फ्लेक्स बैनर, फोटो आदि स्कूलों को आवंटित फंड से प्राथमिक चिकित्सा किट भी खरीदी जाती है। प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए जिला स्तर पर उपलब्ध भारतीय रेड क्रॉस / सेंट जॉन एम्बुलेंस के प्रशिक्षकों द्वारा स्कूल के सभी छात्रों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में आमंत्रित किया जाता है। आवंटित निधि का उपयोग टीए, डीए, मोबिलिटी, प्रशिक्षकों के मानदेय इंडियन रेड क्रॉस / एसटी जॉन एम्बुलेंस, छात्रों के लिए रिफ्रेशमेंट, फ्लेक्स बैनर, फोटो आदि पर किया गया था



स्वास्थ्य ही धन है। विद्यार्थियों के अच्छे स्वास्थ्य और एक अच्छे दिमाग को सुनिश्चित करने के लिए, डॉ. गतीकृष्ण करण, एमओ, पीएचसी, बडेनीगांव और डॉ. सखट श्रीमे मार्था, एमओ, सीएचसी, निमापारा की उपस्थिति के साथ dt.२९/०३/२०२५ को एक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम आयोजित किया गया था। साथ ही, विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा ज्ञान और जानकारी से पूरी तरह से सुसज्जित होने के लिए एक प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया था।



खोरधा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर की झलक





कार्यकलाप १४: क्लस्टर संसाधन केंद्र

पीएम श्री स्कूल में सीडब्ल्यूएसएन के लिए सक्षम-क्लस्टर संसाधन केंद्र

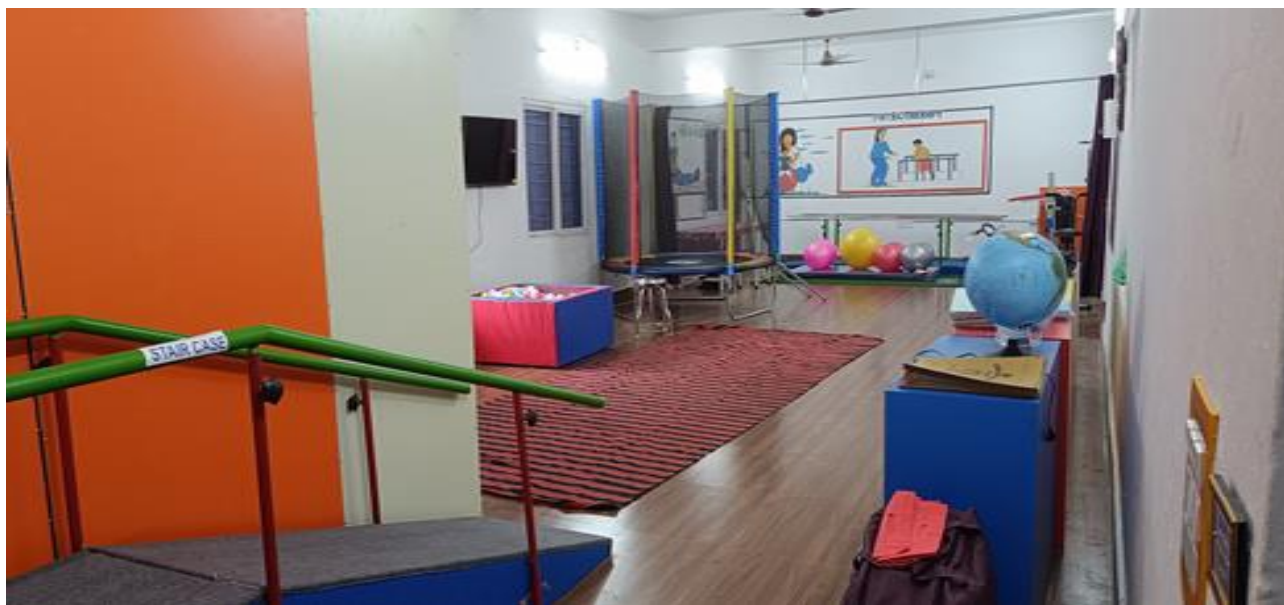
सभी स्कूलों में एक समावेशी सीखने का माहौल विकसित करने और विशेष जरूरतों वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए विशेष सहायता सेवाएं प्रदान करने, एडीएल, मोबिलिटी, प्री-वोकेशनल गतिविधियों आदि पर कौशल में सुधार के लिए प्रशिक्षण जैसे विशेष सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए पीएम श्री स्कूलों में सीडब्ल्यूएसएन के लिए एक संसाधन केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं।

पायलट आधार पर खोरधा जिले के आचार्य हरिहर सरकारी एचएस, बेनुपुर, बलियांटा ब्लॉक में पहुंच मानदंड के अनुसार और १०.०० लाख रुपये के बजटीय आवंटन के भीतर सीडब्ल्यूएसएन के लिए एक मॉडल सक्षम-संसाधन केंद्र खोला गया है।

ओसेपा द्वारा सभी वरिष्ठ तकनीकी सलाहकारों और जिला समावेशी शिक्षा समन्वयकों के लिए पीएम श्री स्कूल में सीडब्ल्यूएसएन के लिए एक मॉडल संसाधन केंद्र के सुलभ स्कूल और विकास पर समर्थयाम, नई दिल्ली और यूनिसेफ, ओडिशा के सहयोग से एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सीडब्ल्यूएसएन के लिए संसाधन केंद्र खोलने के लिए आवंटित १०.०० लाख रुपये के फंड का उपयोग सिविल वर्क कंपोनेंट-रेनोवेशन ऑफ रूम्स, बैरियर-फ्री टॉयलेट, हैंड्रल्स, उपकरण, सामग्री के साथ रैंप के लिए किया गया था। फर्नीचर, चिकित्सीय गतिविधियां और विविध व्यय।





3.2 एक्सेस इंफ्रास्ट्रक्चर - पर्याप्तता, कार्यक्षमता, सौंदर्यशास्त्र और सुरक्षा

मौजूदा स्कूलों को मजबूत करना

कार्यकलाप १: प्रमुख मरम्मत

गतिविधि विवरण

- प्रति स्कूल ₹४.०० लाख की दर से ४४९ बजे श्री स्कूलों के लिए प्रमुख मरम्मत को मंजूरी दी गई है।

प्रमुख मरम्मत गतिविधियों में शामिल हैं:

- ❖ छतों का रिसाव-प्रूफिंग
- ❖ मंजिल की मरम्मत
- ❖ छत की मरम्मत
- ❖ दरवाजा और खिड़की की मरम्मत
- ❖ रैंप निर्माण या सुधार
- ❖ शौचालय की मरम्मत और जल निकासी / मार्ग में सुधार
- ❖ इमारत की आंतरिक और बाहरी पेंटिंग

कार्यान्वयन/दिशा-निर्देश के तौर-तरीके

- स्कूल भवन की वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर मरम्मत कार्य सख्ती से किए जाएंगे।
- मरम्मत वस्तुओं का चयन संरचनात्मक सुरक्षा और कक्षाओं की कार्यात्मक उपयोगिता को प्राथमिकता देगा।
- निष्पादन सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित तकनीकी विशिष्टताओं का पालन करेगा।
- मरम्मत के पहले और बाद के फोटोग्राफिक साक्ष्य को दस्तावेज किया जाएगा और जिला कार्यालय को प्रस्तुत किया जाएगा।

समायोजन:

- कक्षाओं और स्कूल भवनों की प्रमुख मरम्मत संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और संपत्ति के जीवन का विस्तार करेगी।

परिणाम:

- सुरक्षित और कार्यात्मक स्कूल भवन।
- हितधारकों द्वारा सभी कक्षाओं का एक साथ उपयोग।



कार्यकलाप २: वर्षा जल संचयन

गतिविधि विवरण

यूडीआईएसई २०२३ के अनुसार, ४४९ बजे से ६३ स्कूलों में श्री स्कूलों में वर्षा जल संचयन की सुविधा नहीं थी। इसलिए, इन स्कूलों में वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण किया जाएगा, जिसमें निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

- भंडारण टैंक का निर्माण
- शोएक वेल
- पैरापेट दीवार
- ग्रेडिंग
- पीवीसी पाइप फिटिंग और तारों, आदि .

समायोजन :

- वर्षा जल को एकत्रित करना, संग्रहीत करना और विभिन्न प्रयोजनों के लिए उपयोग करना, जैसे पौधों को पानी देना, हाथ धोना, स्कूल के किचन गार्डन, शौचालय आदि के लिए जल स्रोत का उपयोग करना।
- प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके पानी की कमी को संबोधित करता है।

परिणाम

- भूजल स्तर में वृद्धि।
- एक स्थायी जल स्रोत प्रदान करता है।
- पीने योग्य पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करता है।



कार्यकलाप ३: फर्नीचर (पुस्तकालय)

गतिविधि विवरण

४२५ माध्यमिक विद्यालयों के लिए पुस्तकालयों के लिए फर्नीचर और अन्य आवश्यक उपकरण प्रस्तावित किए गए हैं।

समायोजन :

- गुणवत्ता फर्नीचर और उपकरण एक आरामदायक और संगठित सीखने के माहौल के रूप में पुस्तकालय की भूमिका को बढ़ाते हैं।
- उचित बैठने, shelving, और भंडारण संसाधनों तक पहुंच में सुधार।
- स्वतंत्र अनुसंधान, सहयोगी सीखने और सूचना साक्षरता का समर्थन करता है।

परिणाम

- छात्रों की भागीदारी और ध्यान में सुधार।
- सीखने के संसाधनों और प्रौद्योगिकी के लिए बढ़ी हुई पहुंच।
- स्वतंत्र अनुसंधान और महत्वपूर्ण सोच कौशल में वृद्धि हुई।
- कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए संगठित स्थान।
- सहयोगी शिक्षण और अकादमिक उपलब्धि के लिए समर्थन।
- सूचना साक्षरता और डिजिटल कौशल का विकास।





गतिविधि ४: फर्नीचर और उपकरण (माध्यमिक विद्यालयों प्रयोगशाला के लिए)

गतिविधि विवरण

३६७ माध्यमिक विद्यालयों के लिए फर्नीचर और आवश्यक प्रयोगशाला उपकरण प्रस्तावित किए गए हैं।

समायोजन :

- व्यावहारिक शिक्षण के लिए सुरक्षित, कार्यात्मक और प्रेरक वातावरण सुनिश्चित करता है।
- आधुनिक वर्कस्टेशन और भंडारण प्रभावी प्रयोगों और वैज्ञानिक जांच को सक्षम करते हैं।
- विज्ञान विषयों में छात्रों की संलग्नता और व्यावहारिक कौशल को बढ़ाता है।



परिणाम

- सुरक्षित, कार्यात्मक प्रयोगशाला वातावरण।
- आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके जोखिम मुक्त प्रयोग।
- व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से संलग्नता और जिज्ञासा में वृद्धि।
- व्यावहारिक कौशल और शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार।
- उचित भंडारण और व्यवस्था के माध्यम से सुव्यवस्थित संचालन





कार्यकलाप ५: फर्नीचर (प्राथमिक विद्यालय)

गतिविधि विवरण

प्रति छात्र ₹०.०६५ लाख की दर से २४ प्राथमिक विद्यालयों में ६२,२४१ छात्रों के लिए फर्नीचर का प्रावधान किए गए हैं।

समायोजन:

- कक्षा फर्नीचर प्रभावी कक्षा डिजाइन के लिए आवश्यक है।
- सीखने के आधुनिक, नवीन तरीकों का समर्थन करता है।
- विविध शिक्षार्थियों के लिए लचीलेपन, सहयोग और समावेशिता को प्रोत्साहित करता है।

परिणाम

- सहयोगी शिक्षण और समूह गतिविधियों की सुविधा प्रदान करता है।
- कक्षा में समावेशिता और पहुंच को बढ़ावा देता है।



ग्रीन स्कूल

ओडिशा में पीएम श्री स्कूलों ने हरित विद्यालय पहल के तहत पारिस्थितिकी चेतना और हरित प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए कई पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और छात्र-केंद्रित गतिविधियां शुरू की हैं।

प्रमुख पहलों में ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए एलईडी लाइटिंग की स्थापना और कुशल बिजली उपयोग, हर्बल / औषधीय गार्डन, सब्जी गार्डन और रसोई गार्डन को बढ़ावा देना शामिल है ताकि पोषण, पारंपरिक चिकित्सा और टिकाऊ कृषि के बारे में सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छ अभियान नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, जो स्कूल परिसर के भीतर और बाहर स्वच्छता और स्वच्छता के लिए सामूहिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हैं।



कार्यकलाप ६: एलईडी लाइटिंग

कार्रवाई बिंदु

- पीएम श्री स्कूल की कक्षाओं, कार्यालयों, प्रयोगशालाओं, गलियारों और सामान्य क्षेत्रों में ऊर्जा-कुशल एलईडी लाइटिंग के साथ सभी पारंपरिक तापदीप्त और फ्लोरोसेंट बल्बों को बदल दिया है।
- स्थापित एलईडी मॉडल जो गरमागरम बल्बों की तुलना में ५०-७०% कम ऊर्जा और फ्लोरोसेंट बल्बों की तुलना में २०-३०% कम ऊर्जा का उपभोग करते हैं, जो एक अनुकूल सीखने के माहौल के लिए इष्टतम चमक सुनिश्चित करते हैं।
- एक लंबे जीवनकाल के साथ चयनित एलईडी फिक्स्चर, प्रतिस्थापन की आवृत्ति को कम करने और स्कूल की गतिविधियों के लिए रखरखाव रुकावट को कम करने।
- दृश्यता और सीखने की स्थिति में सुधार के लिए कक्षाओं, पुस्तकालयों और गतिविधि क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से रखा गया प्रकाश व्यवस्था।

समायोजन:

- पीएम श्री स्कूलों में एलईडी लाइटिंग के बदलाव से बिजली की खपत में काफी कमी आई है, पुराने प्रकाश प्रणालियों की तुलना में एलईडी ७०-८०% कम ऊर्जा का उपयोग करता है।
- एलईडी रोशनी बेहतर रोशनी की गुणवत्ता प्रदान करती है, जो अकादमिक गतिविधियों के दौरान छात्रों और शिक्षकों के लिए बेहतर ध्यान और आराम में योगदान देती है।
- मर्क्युरी, सीसा और कैडमियम जैसे खतरनाक पदार्थों के उपयोग को समाप्त कर दिया, इस प्रकार पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा देना और पीएम श्री स्थिरता लक्ष्यों के साथ संरेखित करना।

परिणाम

- पीएम श्री स्कूलों के लिए बिजली के बिल में कमी, बचत को अन्य शैक्षिक आवश्यकताओं की ओर पुनर्निर्देशित करने की अनुमति देती है।
- कम ऊर्जा उपयोग के माध्यम से स्कूल के संचालन के कार्बन पदचिह्न को कम किया।
- एक स्वस्थ, अच्छी तरह से प्रकाशित शिक्षण वातावरण प्रदान किया जिसने समग्र शैक्षणिक वातावरण को बढ़ाया और सतत बुनियादी ढांचे के लिए पीएम श्री की प्रतिबद्धता का समर्थन किया।



कार्यकलाप ७: हर्बल / औषधीय गार्डन / सब्जी / रसोई गार्डन

गतिविधि विवरण

- हर्बल, औषधीय, सब्जी और रसोई उद्यान स्थापित करने के लिए पीएम श्री स्कूल परिसर के भीतर उपयुक्त स्थानों की पहचान की गई।
- उद्यान क्षेत्र तैयार करने, बीज / रोपाई, जैविक खाद, बागवानी उपकरण की व्यवस्था करने और नियमित सिंचाई के लिए पानी के बिंदु बनाने के लिए प्रारंभिक चरण के दौरान निर्देशित स्कूलों।
- पीएम श्री स्कूलों के शैक्षिक और पोषण संबंधी उद्देश्यों के अनुरूप विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधे, जड़ी-बूटियां और मौसमी सब्जियां लगाई गई।
- प्रायोगिक शिक्षा के हिस्से के रूप में वृक्षारोपण, पोषण और रखरखाव गतिविधियों में लगे हुए छात्र।
- उद्यान विकास और रखरखाव में माता-पिता, स्थानीय किसानों और सामुदायिक समूहों को शामिल करके सामुदायिक भागीदारी की सुविधा।

समायोजन:

- इस पहल ने छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता, टिकाऊ कृषि प्रथाओं और पोषण शिक्षा को बढ़ावा दिया।
- हर्बल और औषधीय पौधों ने विज्ञान और स्वास्थ्य शिक्षा के लिए एक सीखने के संसाधन के रूप में कार्य किया, जबकि सब्जियों ने कुछ मामलों में मिड-डे मील कार्यक्रमों का समर्थन किया।
- सामुदायिक भागीदारी ने स्कूल-सामुदायिक संबंधों को मजबूत किया और जिम्मेदारी की साझा भावना पैदा की।

परिणाम

- कृषि, औषधीय पौधों और हाथों से सीखने के माध्यम से स्वस्थ खाने की आदतों के छात्र ज्ञान को बढ़ाया।
- बेहतर स्कूल हरियाली, सौंदर्यशास्त्र, और पर्यावरणीय स्थिरता।
- छात्रों के बीच व्यावहारिक व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देते हुए अधिशेष उपज से छोटे पैमाने पर राजस्व पैदा करने का अवसर बनाया।





गतिविधि ८: रसोई और बाग के अपशिष्ट के लिए कम्पोस्टिंग सुविधा

पद्धति

- पीएम श्री स्कूल परिसर के भीतर सूखे और गीले अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन के लिए कम्पोस्ट गड्ढे बनाए गए।
- जैविक और अजैविक अपशिष्ट के लिए अलग-अलग संग्रह बिंदु निर्धारित किए गए, और जैविक अपशिष्ट को कम्पोस्ट गड्ढे में स्थानांतरित किया गया।
- गड्ढे के निर्माण में स्थानीय उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग किया गया, जिससे लागत-कुशलता और सततता सुनिश्चित हुई।
- पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रमों में कम्पोस्टिंग गतिविधियों को एकीकृत किया गया, जिससे छात्रों को अपघटन की निगरानी करने और अपशिष्ट से संसाधन रूपांतरण को समझने का अवसर मिला।
- उत्पन्न कम्पोस्ट का उपयोग स्कूल के जड़ी-बूटी, औषधीय और रसोई बागों में किया गया, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हुई।

औचित्य:

- कम्पोस्टिंग ने जैविक अपशिष्ट को पोषक तत्वों से भरपूर जैविक खाद में परिवर्तित किया, जिससे मिट्टी की उर्वरता और जल धारण क्षमता में सुधार हुआ।
- पीएम श्री की सततता उद्देश्यों के अनुरूप पर्यावरण-मैत्रीपूर्ण अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा दिया गया।

परिणाम

- सूखे और गीले अपशिष्ट प्रबंधन में छात्रों की जागरूकता और सहभागिता में वृद्धि हुई।
 - स्कूल की स्वच्छता में सुधार हुआ और लैंडफिल में भेजे जाने वाले अपशिष्ट की मात्रा कम हुई।
- उत्पन्न कम्पोस्ट का उपयोग स्कूल बागों में किया गया, जिससे परिसर का पर्यावरण हरा-भरा और स्वस्थ बना।



कार्यकलाप ९: अपशिष्ट पृथक्करण के लिए दिलचस्प पात्रों के साथ चित्रित रंगीन कूड़ेदान

४४९ पीएम श्री स्कूलों को कचरे के पृथक्करण के लिए दिलचस्प पात्रों के साथ चित्रित रंगीन कूड़ेदान प्रदान किए गए हैं।

कार्रवाई बिंदु

- पीएम श्री स्कूल परिसर के भीतर व्यवस्थित अपशिष्ट संग्रह के लिए रंगीन, टिकाऊ डस्टबिन से लैस हैं।
- स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण के लिए रंग-कोडित डिब्बे लागू किए गए - बायोडिग्रेडेबल कचरे के लिए हरा, पुनर्नवीनीकरण कचरे के लिए नीला।
- आसान पहुंच के लिए कक्षाओं, गलियारों, खेल के मैदानों और निकट जल बिंदुओं जैसे रणनीतिक स्थानों में कूड़ेदान रखे गए।
- पुनरावर्तनीय सामग्रियों के संदूषण को रोकने के लिए प्रत्येक बिन के सही उपयोग पर छात्रों और कर्मचारियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए गए।
- स्कूल स्वच्छता ड्राइव और पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रमों में एकीकृत अपशिष्ट पृथक्करण प्रथाओं।

समायोजन:

- रंग-कोडित डस्टबिन ने छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार के कचरे के लिए सही बिन की पहचान करना आसान बना दिया, जिससे अनुचित निपटान को रोका जा सके।
- स्रोत पर कचरे को अलग करने से संदूषण कम हो गया, रीसाइक्लिंग दरों में सुधार हुआ, और संसाधनों के कुशल उपयोग को बढ़ावा दिया।
- यह पहल पीएम श्री के सतत और स्वच्छता लक्ष्यों के अनुरूप है।

परिणाम:

- यह स्कूलों में एक स्वच्छ और स्वस्थ सीखने के माहौल को बनाए रखने में मदद करेगा। उचित अपशिष्ट निपटान को प्रोत्साहित करके, स्वच्छता को बढ़ावा देकर, और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं का समर्थन करके, वे छात्रों के लिए एक बेहतर शैक्षिक अनुभव में योगदान करते हैं।





कार्यकलाप १०: यूथ एंड इको क्लब

पर्यावरण शिक्षा सबसे प्रभावी है जब यह जीवन में जल्दी शुरू होती है और वास्तविक जीवन के अनुभवों से जुड़ी होती है। स्कूलों में स्थिरता, जिम्मेदारी और पर्यावरणीय नेतृत्व के मूल्यों को स्थापित करने के लिए, यूथ और इको क्लब स्थापित किए गए हैं। ये क्लब छात्रों को सार्थक परियोजनाओं और गतिविधियों को लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो न केवल उनके सीखने को बढ़ाते हैं बल्कि उन्हें ध्वनि पर्यावरणीय प्रथाओं को अपनाने के लिए अपने साथियों, माता-पिता और स्थानीय समुदायों को प्रभावित करने की अनुमति देते हैं।

इन प्लेटफार्मों के माध्यम से, छात्रों को पर्यावरणीय अवधारणाओं का पता लगाने, व्यावहारिक पहल में संलग्न होने और पर्यावरण के अनुकूल आदतों को विकसित करने का अधिकार है जो एक स्थायी भविष्य के निर्माण में योगदान करते हैं।

यूथ एंड इको क्लब

- दिनांक ०२.११.२०१९ के पत्र संख्या ८५०७ के तहत जिलों को सूचित दिशा-निर्देशों के अनुसार स्कूलों में यूथ और इको क्लब औपचारिक रूप से स्थापित किए गए थे।
- प्रत्येक वर्ष, गतिविधियों को इन क्लबों के तहत स्कूलों द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें प्रत्येक वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले चयनित छात्र सदस्य होते हैं, जो समावेशिता और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।
- ओडिशा में, सभी ४४९ पीएम श्री स्कूलों में यूथ और इको क्लब बनाए गए हैं, जो पर्यावरण कार्रवाई के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचा प्रदान करते हैं।

वर्ष २०२४-२५ के दौरान, युवा और पर्यावरण क्लबों के तहत गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित की गई, जिसने छात्रों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी और नेतृत्व का अभ्यास करने के अवसर प्रदान किए:

• महत्वपूर्ण दिनों का निरीक्षण

- विश्व पर्यावरण दिवस – जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण गतिविधियां, और छात्र-नेतृत्व वाले अभियान।
- राष्ट्रीय युवा दिवस - युवा नेतृत्व और सामुदायिक जुड़ाव पर कार्यक्रम।
- राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस - सुरक्षा, आपदा तैयारी और लचीलापन को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां।
- वन महोत्सव - हरियाली को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान।

• पर्यावरण के अनुकूल स्कूल गतिविधि

- पोषण और स्थिरता के लिए स्कूल परिसरों के भीतर रसोई गार्डन का विकास।
- पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के लिए समुदाय में जागरूकता रैली।
- कचरा पृथक्करण और पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए कचरा निपटान अभियान।
- एक अतिरिक्त गतिविधि के रूप में हरे कोनों, दीवार चित्रों और फूलों के बिस्तरों के साथ परिसर का सौंदर्यीकरण।

• क्षमता निर्माण और जुड़ाव

- अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए युवा और इको क्लब के सदस्यों की वार्षिक बैठक।
- पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर सेमिनार और वार्ता।
- क्लब के सदस्यों के लिए बैज का वितरण गर्व और मान्यता पैदा करने के लिए।
- देशभक्ति और जिम्मेदारी का प्रतीक तिरंगा झंडा पोस्ट का रंग।

परिणाम

- पर्यावरण संरक्षण और सतत प्रथाओं पर छात्रों की जागरूकता में वृद्धि।
- स्कूल परिसर के भीतर और परे पर्यावरण के अनुकूल पहल में छात्र भागीदारी में वृद्धि।
- रैलियों और आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत किया।
- हरे, सुरक्षित और सुंदर स्कूल परिसरों का निर्माण।
- नेतृत्व गुणों का विकास, टीम वर्क, और छात्रों के बीच जिम्मेदारी की भावना।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से पर्यावरणीय शिक्षा का सुदृढीकरण।







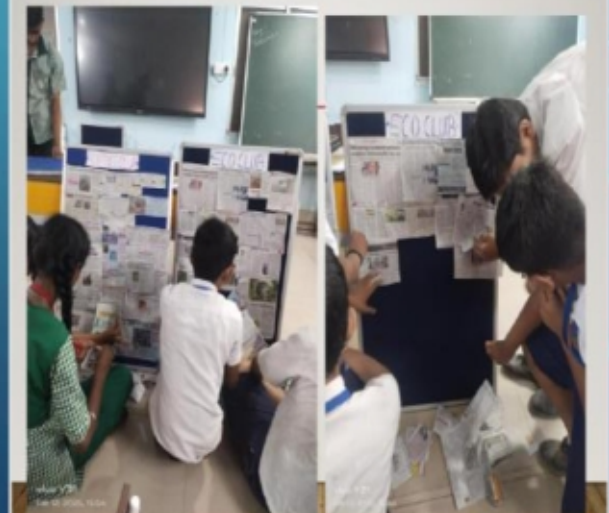
ବନମହୋତ୍ସବ ସମ୍ବାହ (ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସର ଭିତରେ ଓ ସଡ଼କ ପାର୍ଶ୍ୱରେ ବୃକ୍ଷରୋପଣ)



ବିଶ୍ୱ ପରିବେଶ ଦିବସ ପାଳନ (05/06/25)



NEWSPAPER ARTICLE CUTTING ACTIVITY (ECO CLUB STUDENTS) DATE - 12-01-25



ଆବର୍ଜନା ଓ ପ୍ରାପ୍ତିଗାମୀ ବିଷୟ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ଚିତ୍ରାଙ୍କନ, ବକୂତା, ପ୍ରବନ୍ଧ
ଲିଖନ ପ୍ରତିଯୋଗିତା :-



ଏକକ ବ୍ୟବହୃତ ପ୍ଲାଷ୍ଟିକ୍ ମୁକ୍ତ ସମ୍ବଳାୟ ଚିତ୍ରାଙ୍କନ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ଓ
ପୁରସ୍କାର ବିତରଣ



ବିଶ୍ୱ ଜଳ ଦିବସ ପାଳନ ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୨

Slide 1 of 47



ଚିତ୍ରାଙ୍କନ ପ୍ରତିଯୋଗିତା (ଜଳ ବିବସ) ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୨



ଭବେ କବ୍‌ ରେ ଥିବା ଛାତ୍ର ଛାତ୍ରୀ କ ନାମ ପଢ଼କ

Slide 7 of 47



ଏକକ ବ୍ୟବହୃତ ପ୍ଲାଷ୍ଟିକ୍ ମୁକ୍ତ ଅଭିଯାନ



कार्यकलाप ११: स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छ अभियान आयोजित करना

किये गए काम

- पीएम श्री स्कूली छात्रों के नेतृत्व में स्कूल और आसपास के समुदाय के भीतर स्वच्छता और स्वच्छता पर संदेश फैलाने के लिए जागरूकता रैली आयोजित की गई।
- अग्निशमन सेवा क्षेत्र, स्कूल पार्किंग स्थल, गलियारे, कक्षाएं, खेल के मैदान और अन्य सामान्य स्थानों को कवर करते हुए स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।
- टीम वर्क और साझा जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए समन्वित सफाई गतिविधियों में स्वच्छता श्रमिकों, कर्मचारियों और छात्रों को शामिल किया गया।
- वितरित प्रदर्शन और उचित हाथ धोने की तकनीक, सुरक्षित अपशिष्ट निपटान, और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने पर बात करता है।
- स्वच्छता और स्वच्छता संदेशों को सुदृढ़ करने के लिए परिसर में पोस्टर, बैनर और नारे प्रदर्शित किए।

समायोजन

- इन गतिविधियों ने स्कूलों में स्वच्छता और स्वच्छता की भावना को प्रोत्साहित किया, एक स्वस्थ और अधिक सुखद सीखने का माहौल बनाया।
- स्वच्छता ने मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा दिया और छात्रों और कर्मचारियों के बीच आत्मविश्वास को बढ़ाया।
- नियमित रूप से हाथ धोने और स्वच्छता प्रथाओं ने संक्रमण के प्रसार को रोकने में मदद की और समग्र कल्याण में सुधार किया।

परिणाम

- जागरूकता में वृद्धि: छात्रों ने अपने स्कूलों और समुदायों में "स्वच्छता राजदूतों" की भूमिका निभाई।
- बेहतर स्वच्छता की आदतें: व्यक्तिगत और पर्यावरणीय स्वच्छता प्रथाओं को बेहतर ढंग से अपनाना।
- बढ़ी हुई नागरिक भावना: छात्रों ने अपने परिवेश और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की एक मजबूत भावना विकसित की।





ପିଏମ୍ ଶ୍ରୀ (ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ସ୍କୁଲ ଫୋର ରାଇଜିଙ୍ଗ ଇଣିଆ) କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ବା ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଖ୍ୱାଦା ପାଳନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

ମାଲକାନଗିରି:- ପିଏମ୍ ଶ୍ରୀ (ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ସ୍କୁଲ ଫୋର ରାଇଜିଙ୍ଗ ଇଣିଆ) କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ବା ସ୍ୱଚ୍ଛତା ପଖ୍ୱାଦା ପାଳନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି । ମାଲକାନଗିରି ଜିଲ୍ଲା କାଲିମେଳା ବ୍ଲକ୍ ସରକାରୀ ଏସ୍.ଏସ୍.ଡି ବାଳିକା ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଏମ. ଭି-୭୯ ଠାରେ ସ୍କୁଲ ବୁ ଛାତ୍ରୀ, ଶିକ୍ଷକ ଓ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ବାହାରି ଏମ୍. ଭି -୭୯ ର ମାର୍କେଟ,ରାସ୍ତା ଥାନା ପରିସରରେ ଥିବା ଅଳିଆ ଆବର୍ଜନା ସଫାକରିଥିଲେ । ନିଜର ସ୍କୁଲ ସ୍ୱତ୍ତ୍ୱ ଭାବେ ରହିଲେ ଅନ୍ୟ ସ୍କୁଲ ମଧ୍ୟ ସ୍ୱତ୍ତ୍ୱ ଭାବେ ରହିବ ଓ ଆସ ମିସେଇବା ହାତକୁ ହାତ ଦେଶକୁ ରଖିବା ଆବର୍ଜନା ମୁକ୍ତ



ଏହିଭଳି ପ୍ଲାଗକାର୍ଡ ଧରି ସ୍ଥାନୀୟ ଦେଇ ଛାତ୍ରୀ ମାନେ ଲୋକଙ୍କୁ ସଚେତନ କରାଇଥିଲେ ଓ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏସ୍.ଏସ୍.ଡି ବାଳିକା ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଏମ. ଭି-୭୯ ର ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକ ମୋନାଜ କୁମାର ମିଶ୍ର ଙ୍କ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନରେ ଆୟୋଜନ ହୋଇଥିଲା ଓ ସାରା ଭାରତରେ ପ୍ରଧାନ ମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦି ସେପ୍ଟେମ୍ବର ୫ ତାରିଖ ୨୦୨୨ ମସିହାରେ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ ଓ ସାରା ଭାରତରେ ୧୪୫୦୦ ସ୍କୁଲ କୁ ଅପଗ୍ରେଡ କରାଯାଇଛି,ଓଡ଼ିଶାରେ ୮୦୦ଟି ସେହିପରି ମାଲକାନଗିରି ଜିଲ୍ଲାରେ ୧୧ ଟି ସ୍କୁଲ କୁ ଅପଗ୍ରେଡ କରାଯାଇଛି । ସେଥିମଧ୍ୟରୁ ଏସ୍.ଏସ୍.ଡି ବାଳିକା ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଏମ. ଭି-୭୯ ଅନ୍ୟତମ । ଏହି ସ୍କୁଲ ର ଶିକ୍ଷକ ଜୟନ୍ତ କୁମାର ମହାଲିକ, ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ସମ୍ପ୍ରିତା ଦଳେଇ,ପତିତ ପାବନ ଜେନା,ଦୀପଙ୍କର ପାଉଲ,କମଳିନୀ ପାଉଲ, ଅମିକା ମହାରଣା,ଗୀତାଞ୍ଜଳି ସ୍ୱାଇଁ,ଦେବାଶିଷ ପାଲ,ସଞ୍ଜିତ ମଣ୍ଡଳ,ପ୍ରତାପ ପ୍ରଧାନ, ସଭ୍ୟ ମଣ୍ଡଳ,ଇର୍ମା ମାତକାମୀ,ପଦ୍ମନାଭ ସୋଡ଼ି,ତମ୍ବୁରୁ ଖରା ପ୍ରମୁଖ ଶିକ୍ଷକ, ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଯୋଗ ଦେଇ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସଫଳ କରିଥିଲେ ।





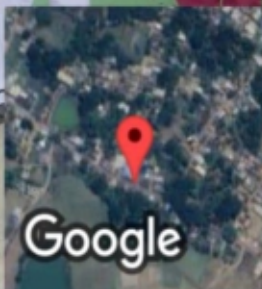


Thakurhat, Odisha, India

G9hj+mhp, National Highway, 5a, Thakurhat, Odisha 754250, India

Lat 20.529243° Long 86.381714°

22/03/2025 08:50 AM GMT +05:30





3.3 समावेशी व्यवहार और लैंगिक समानता

लिंग और समानता

कार्यकलाप १: आत्मरक्षा पर लड़कियों का प्रशिक्षण

पीएम श्री स्कूलों में आत्म-रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम को लागू किया गया था ताकि लड़कियों के बीच स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा दिया जा सके। प्रशिक्षण ने उन्हें सशक्तिकरण और कल्याण की भावना के साथ अपनी शिक्षा और भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाया। सत्रों में शारीरिक रक्षा तकनीक, स्थितिजन्य जागरूकता प्रशिक्षण और आत्मविश्वास-निर्माण अभ्यास शामिल थे ताकि उन्हें परेशान स्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जा सके।

परिणाम

आत्मरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से, लड़कियां मनोवैज्ञानिक, बौद्धिक और शारीरिक रूप से मजबूत हो गईं, उन्हें संकट के समय में खुद को बचाने के लिए लैस किया। इस पहल ने उनके आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमताओं और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ाया, जो उनके समग्र विकास में योगदान दे रहा है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण लड़कियों के छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद है। वे प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए बहुत उत्सुक हैं। इसने उनके आत्मविश्वास को विकसित किया है और २१ वीं शताब्दी में सफल जीवन जीने के लिए उनके मनोबल को बढ़ाया है।



पीएम श्री गिरधारीलाल स्कूल, झारसुगुड़ा



कार्यकलाप २: छात्रों के कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श

1. कैरियर मार्गदर्शन वेबिनार

ओसेपा द्वारा आयोजित कैरियर मार्गदर्शन वेबिनार श्रृंखला, जिसका उद्देश्य छात्रों (ग्रेड ९-१२), शिक्षकों और माता-पिता को विविध कैरियर मार्गों, २१ वीं सदी के कौशल और उभरते अवसरों में विशेषज्ञ-नेतृत्व वाली अंतर्दृष्टि प्रदान करके कैरियर जागरूकता में अंतराल को दूर करना है। कार्यक्रम की आधारशिला के रूप में सेवा करते हुए, श्रृंखला ने ४०+ सत्रों के माध्यम से १.६ मिलियन से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया और विभिन्न कैरियर क्षेत्रों पर गहराई से मार्गदर्शन प्रदान करके ऑफ़लाइन गतिविधियों को पूरक किया।

उद्देश्यों

- विभिन्न धाराओं में कैरियर विकल्प बनाने के लिए (विज्ञान, वाणिज्य, कला, व्यावसायिक, तटस्थ, और प्रतिस्पर्धी) समझने में आसान है।
- छात्रों को स्मार्ट कैरियर विकल्प बनाने के लिए सही जानकारी और उपकरण प्राप्त करने में मदद करने के लिए।
- राज्य भर के छात्रों तक पहुंचने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों का उपयोग करके क्षेत्रीय अंतराल को कम करना।
- वास्तविक सफलता की कहानियों और इंटरैक्टिव क्यूएंडए सत्रों के साथ छात्रों को प्रेरित करना।

कार्यान्वयन:

- विषयों को कवर किया:
 - ❖ स्ट्रीम-विशिष्ट मार्गदर्शन (विज्ञान / वाणिज्य / कला)
 - ❖ उभरते क्षेत्र (एआई, साइबर सुरक्षा, उद्यमिता)
 - ❖ कौशल विकास (संचार, परीक्षा की तैयारी)
 - ❖ रूढ़िवादिता को तोड़ना (लिंग-तटस्थ कैरियर विकल्प)
- कुछ प्रमुख विवरण:
 - ❖ कुल वेबिनार आयोजित किए गए: ४०
 - ❖ संचयी भागीदारी: १,९१७,२३७ छात्र और शिक्षक
 - ❖ मंच: यूट्यूब (द्विभाषी: अंग्रेजी + ओडिया)
 - ❖ अवधि: अगस्त २०२३ - जून २०२५







ii कैरियर मार्गदर्शन पर शिक्षकों की क्षमता निर्माण और जागरूकता

प्रशिक्षण पहल का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षकों को उनके कैरियर नियोजन यात्रा में प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना था। शिक्षकों को सशक्त बनाकर, कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र अपने हितों, शक्तियों और सामाजिक-आर्थिक संदर्भ के आधार पर सूचित और उपयुक्त कैरियर विकल्प बनाने में सक्षम हैं।

प्रशिक्षण के विशिष्ट लक्ष्य थे:

- छात्रों के भविष्य को आकार देने में कैरियर मार्गदर्शन के महत्व और भूमिका पर जोर देना।
- प्रासंगिक और अद्यतन कैरियर की जानकारी के शोध और प्रसार में शिक्षकों की क्षमता का निर्माण करना।
- यथार्थवादी और व्यक्तिगत कैरियर योजनाओं को डिजाइन करने में छात्रों का समर्थन करने में शिक्षकों की दक्षताओं को विकसित करना।
- कैरियर आकांक्षाओं और मार्गों पर सार्थक चर्चा में छात्रों को संलग्न करने के लिए एक गतिविधि-आधारित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।

कार्यान्वयन:

- प्रशिक्षण कार्यक्रम को एक दिवसीय गहन क्षमता-निर्माण कार्यशाला के रूप में संरचित किया गया था, जो लगातार दो दिनों में आयोजित किया गया था - २० और २१ जनवरी २०२५। यह प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान से लैस करने, उनके कौशल को बढ़ाने और केंद्रित सत्रों और इंटरैक्टिव सीखने के मॉड्यूल के माध्यम से अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- पहले चरण में डीआरजी सदस्यों का प्रशिक्षण शामिल था, जहां प्रत्येक ब्लॉक से एक हेडमास्टर (एचएमएस), विशेष रूप से एक नामित नोडल स्कूल और उच्च माध्यमिक शिक्षकों ने राज्य स्तर के प्रशिक्षण में मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में भाग लिया। प्रत्येक चरण में प्रति बैच लगभग ६० प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया था। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में कुल १२० सदस्यों ने भाग लिया।
- इसके अतिरिक्त, प्रत्येक आहार से एक शिक्षक शिक्षक शिक्षक को कैरियर मार्गदर्शन और नियोजन सत्रों की सुविधा के लिए प्रशिक्षित किया गया था।



प्रशिक्षण के दौरान प्रदान किए गए संसाधन:

- प्रत्येक प्रतिभागी को एक शिक्षक प्रशिक्षण मार्गदर्शिका प्राप्त हुई ताकि वे अपनी कक्षाओं में जो कुछ भी सीखते हैं उसका उपयोग करने में मदद कर सकें।
- प्रशिक्षण ने कैरियर मार्गदर्शन किट और सामग्री का उपयोग किया जो पहले से ही स्कूल बिंदु में मौजूद हैं।
- इसके अतिरिक्त, सत्र के दौरान समूह गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण स्थल पर इन सामग्रियों के १० सेट उपलब्ध थे।

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षित प्रधानाचार्यों को मास्टर ट्रेनर के रूप में नामित किया गया और वे जिला स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण को सुगम बनाएंगे।

iii. करियर मार्गदर्शन वेबसाइट

करियर मार्गदर्शन वेबसाइट का औपचारिक उद्घाटन ५ सितंबर २०२४ को माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा द्वारा किया गया, ताकि छात्रों को विविध करियर विकल्पों का पता लगाने में व्यापक सहायता प्रदान की जा सके। यह प्लेटफॉर्म छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए सुलभ है।

उद्देश्यों

- सटीक, अद्यतन और ओडिशा-विशिष्ट कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करें।
- कई धाराओं में विविध कैरियर पथ के छात्रों की समझ को सुविधाजनक बनाना।
- छात्रों के कैरियर के निर्णयों का समर्थन करने के लिए उपकरणों के साथ माता-पिता और शिक्षकों को लैस करें।
- ओडिया और अंग्रेजी दोनों में कंटेंट की पेशकश करके समावेशिताको बढ़ावा देना।

वेबसाइट की विशेषताएं

- **कैरियर की जानकारी :**
सभी प्रमुख क्षेत्रों को कवर करने वाले १०० करियर विकल्पों का विवरणः
 - व्यावसायिक
 - कला
 - विज्ञान
 - वाणिज्य
 - तटस्थ और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र
- **संस्थागत डाटाबेस:** ओडिशा और पूरे भारत में ३०० से अधिक संस्थानों की एक निर्देशिका, विशेष रूप से करियर से संबंधित कार्यक्रमों की पेशकश करती है।
- **छात्रवृत्ति :** ओडिशा सरकार की योजनाओं और राष्ट्रीय स्तर की वित्तीय सहायता के अवसरों सहित ४८ छात्रवृत्ति पर जानकारी।
- **प्रवेश परीक्षाएं:** नियमित रूप से अपडेट किए गए आवेदन समय-सीमा, पात्रता और तैयारी संसाधनों के साथ ६२ प्रवेश परीक्षाओं का विवरण।
- **ओडिशा-विशिष्ट सामग्री:**
 - जिला स्तर के शिक्षण संस्थानों का मानचित्रण
 - राज्य सरकार के छात्रवृत्ति कार्यक्रम
 - विभिन्न क्षेत्रों में ओडिशा से प्राप्त करने वालों के प्रेरणादायक केस स्टडी
- **बहुभाषी अभिगम्यता**
पूरी कंटेंट ओडिया और अंग्रेजी में उपलब्ध है, जिससे इसे व्यापक दर्शकों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ बनाया जा सकता है।

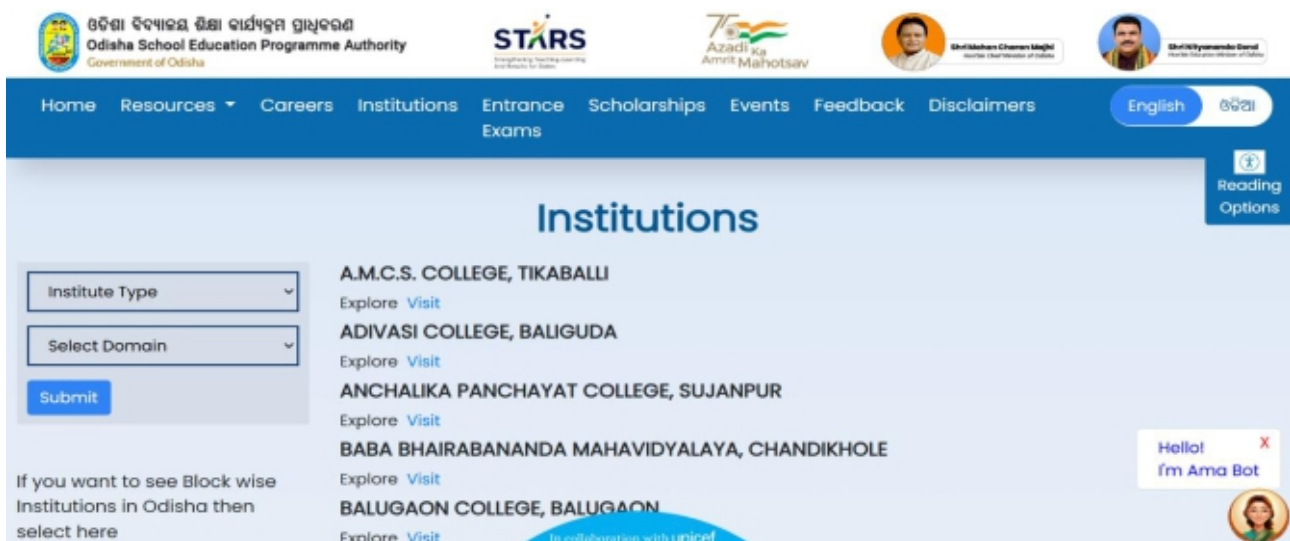
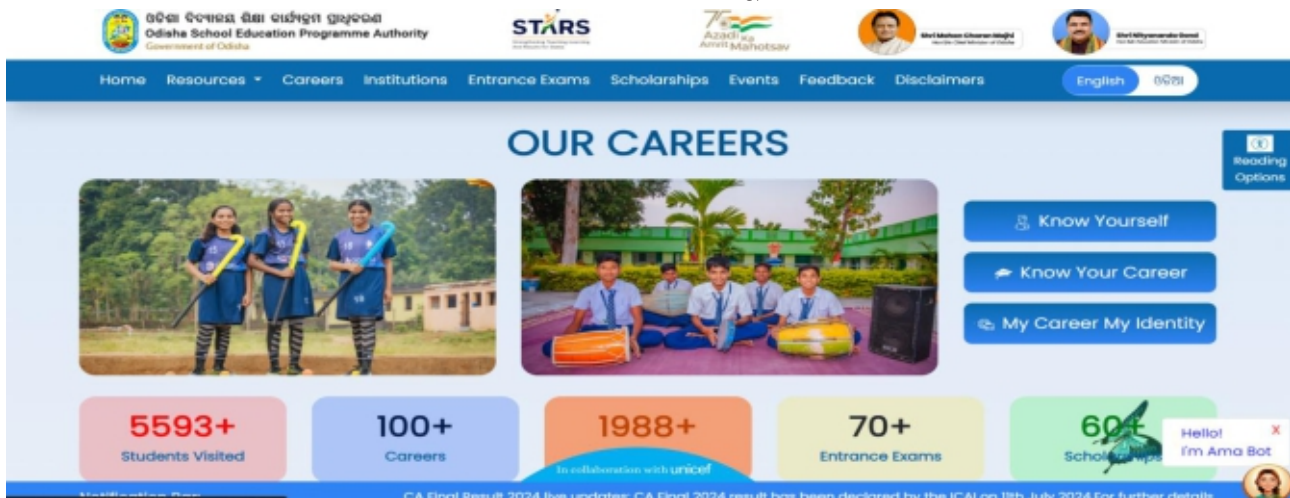
संसाधन भंडार:

- कैरियर पुस्तिकाएं
- कार्यपत्रक
- कैरियर फिल्में और वेबिनार: इन संसाधनों का उद्देश्य कैरियर विकल्पों का पता लगाने के लिए इंटरैक्टिव और आकर्षक तरीके प्रदान करना है।

यह वेबसाइट कैरियर नियोजन के लिए एक-स्टॉप पोर्टल के रूप में कार्य करती है, विशेष रूप से इसके लिए फायदेमंद:

- **विद्यार्थी:** कैरियर के अवसरों का पता लगाने और महत्वपूर्ण परीक्षा और छात्रवृत्ति की समय सीमा का ट्रैक रखने के लिए।
- **शिक्षक और सलाहकार:** संरचित, प्रामाणिक और स्थानीय रूप से प्रासंगिक सामग्री का उपयोग करके छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए।
- **माता-पिता:** अपने बच्चों के लिए शैक्षिक रास्ते और कैरियर के अवसरों को बेहतर ढंग से समझने के लिए।

कैरियर मार्गदर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के लक्ष्यों के साथ संरेखित करता है, सूचित निर्णय लेने, समान पहुंच और समग्र विकास को बढ़ावा देता है। निरंतर अद्यतन, डिजिटल उपकरणों के एकीकरण और सामुदायिक जुड़ाव के साथ, मंच ओडिशा के भविष्य के कार्यबल को आकार देने में एक महत्वपूर्ण घटक बनने के लिए तैयार है।





ଓଡ଼ିଶା ବିଦ୍ୟାବଳ ଶିକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରାଧିକାରଣ
Odisha School Education Programme Authority
Government of Odisha



STARS
Strengthening Teaching Learning
And Results for States



75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav



Shri Mahan Charan Mahanti
Hon'ble Chief Minister of Odisha



Shri Willyramanda Goud
Hon'ble Minister of Education, Odisha

[Home](#)
[Resources](#)
[Careers](#)
[Institutions](#)
[Entrance Exams](#)
[Scholarships](#)
[Events](#)
[Feedback](#)
[Disclaimers](#)

[English](#)
[ଓଡ଼ିଆ](#)



Reading Options

Entrance Exams

Post Graduate

select qualification

Choose Your Location

Submit

AIIMS B.Sc. Nursing Entrance Exam

Explore [Visit](#)

Air Force Common Admission Test (AFCAT)

Explore [Visit](#)

All India Entrance Examination for Design (AIEED)

Explore [Visit](#)

In collaboration with 

Hello! I'm Ama Bot





ଓଡ଼ିଶା ବିଦ୍ୟାବଳ ଶିକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରାଧିକାରଣ
Odisha School Education Programme Authority
Government of Odisha



STARS
Strengthening Teaching Learning
And Results for States



75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav



Shri Mahan Charan Mahanti
Hon'ble Chief Minister of Odisha



Shri Willyramanda Goud
Hon'ble Minister of Education, Odisha

[Home](#)
[Resources](#)
[Careers](#)
[Institutions](#)
[Entrance Exams](#)
[Scholarships](#)
[Events](#)
[Feedback](#)
[Disclaimers](#)

[English](#)
[ଓଡ଼ିଆ](#)



Reading Options

Event Photos










In collaboration with 

Hello! I'm Ama Bot





ଓଡ଼ିଶା ବିଦ୍ୟାବଳ ଶିକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରାଧିକାରଣ
Odisha School Education Programme Authority
Government of Odisha



STARS
Strengthening Teaching Learning
And Results for States



75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav



Shri Mahan Charan Mahanti
Hon'ble Chief Minister of Odisha



Shri Willyramanda Goud
Hon'ble Minister of Education, Odisha

[Home](#)
[Resources](#)
[Careers](#)
[Institutions](#)
[Entrance Exams](#)
[Scholarships](#)
[Events](#)
[Feedback](#)
[Disclaimers](#)

[English](#)
[ଓଡ଼ିଆ](#)



Reading Options

Scholarship

Central

Submit

"Pre-Matric Scholarships" to the Children of Those Engaged in Occupations Involving Cleaning and Prone to Health Hazards

explore [Visit](#)

AICTE – Saksham Scholarship Scheme For Specially-Abled Student (Diploma)

explore [Visit](#)

Centrally-Sponsored Scheme Of Pre-Matric Scholarship For Scheduled Caste Students Studying In Class 9 & 10th

In collaboration with 

Hello! I'm Ama Bot



3.4 मानव संसाधन और स्कूल नेतृत्व

डाइट/एनएलआई/केवी के माध्यम से क्षमता निर्माण

कार्यकलाप १: शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और बेहतर सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण आवश्यक है। पीएम श्री स्कूल की पहल के तहत, स्कूलों को उत्कृष्टता केंद्रों में बदलने के लिए शिक्षक क्षमता का निर्माण महत्वपूर्ण है। अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिक्षक अभिनव शिक्षण विधियों को लागू करने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और एनईपी २०२०, कौशल भारत और फिट इंडिया जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करने के लिए बेहतर सुसज्जित हैं। निरंतर व्यावसायिक विकास शिक्षकों को परिवर्तन का नेतृत्व करने और समग्र, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रदान करने का अधिकार देता है।

४४९ श्री स्कूलों में शिक्षकों की क्षमता को मजबूत करने के लिए, वर्ष २०२४-२५ के लिए परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) द्वारा कुल ₹९० लाख को मंजूरी दी गई थी। पीएबी, भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार शिक्षकों के समग्र व्यावसायिक विकास के उद्देश्य से एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए स्वीकृत निधि को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई) में स्थानांतरित कर दिया गया है। एक ५ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना बनाई जा रही है, और एक प्रारंभिक चरण के रूप में, ६ से ८ अगस्त और ४ से ६ सितंबर, २०२५ तक आरआईई में एक मॉड्यूल विकास कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला का आयोजन ओसेपा और आरआईई के सहयोग से किया गया था और इसमें प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और आरआईई संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी थी।

प्रशिक्षण मॉड्यूल को ध्यान से समकालीन शैक्षिक चुनौतियों का समाधान करने और शिक्षकों को स्कूल परिवर्तन के लिए व्यावहारिक रणनीतियों से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मुख्य विषयों में शामिल हैं:

- उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए रणनीतिक नेतृत्व
- स्कूलों में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना
- पीएम श्री स्कूलों में कौशल आधारित पहलों को बढ़ावा देना
- व्यावसायिक शिक्षा और कैरियर मार्गदर्शन
- स्कूल सुधार के लिए गुणवत्ता पैरामीटर
- फिट इंडिया मूवमेंट और फिजिकल लिटरेसी
- नवाचार परिषदों और हैकथॉन का गठन
- महत्वपूर्ण चौखटे को समझना: परख, पीजीआई, एसडीजी, यूडीआईएसई+
- प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की व्याख्या (केपीआई)
- अनुभवी सीखने के दृष्टिकोण
- समावेशी व्यवहार और लैंगिक समानता
- दृष्टि निर्माण
- विश्व कौशल केंद्र के लिए एक्सपोजर यात्रा



३.५ पीएम श्री में अन्य अभिनव पहल

कार्यकलाप १: पीएम श्री स्कूलों में पीटीए की बैठक

अभिभावक शिक्षक के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए पीएम श्री स्कूलों में अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। ये बैठकें माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन के लिए बातचीत करने, प्रतिक्रिया साझा करने और सामूहिक रूप से छात्रों के समग्र विकास की दिशा में काम करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती हैं।

अपेक्षित परिणाम

- **उन्नत संचार:** माता-पिता-शिक्षक संबंधों को मजबूत करना जिससे बच्चों की जरूरतों की बेहतर समझ देती है।
- **बेहतर छात्र प्रदर्शन:** अकादमिक और गैर-शैक्षणिक प्रगति की संयुक्त निगरानी समय पर हस्तक्षेप में परिणाम देती है।
- **सामुदायिक जुड़ाव:** माता-पिता स्कूल विकास गतिविधियों में सक्रिय भागीदार बन जाते हैं, जवाबदेही और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं।
- **छात्रों का समग्र विकास:** स्कूल और घर के बीच समन्वित प्रयास बच्चों के शैक्षिक, भावनात्मक और सामाजिक कल्याण का समर्थन करते हैं।
- **पारदर्शिता और विश्वास:** नियमित संवाद स्कूल के कामकाज में विश्वास और पारदर्शिता बनाता है।



कार्यकलाप २: पीएम श्री योजना के तहत एक्सपोजर विजिट

गुजरात के स्कूलों में लागू सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने के उद्देश्य से ओडिशा में पीएम श्री स्कूलों के चयनित शिक्षकों और अधिकारियों के लिए गुजरात की एक एक्सपोजर यात्रा का आयोजन किया गया था। इस यात्रा ने प्रतिभागियों को शिक्षा-शिक्षण, स्कूल प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के विकास और सामुदायिक भागीदारी के अभिनव मॉडल का निरीक्षण करने का अवसर प्रदान किया।

कार्यान्वयन

- स्कूल प्रमुखों, शिक्षकों, जिला शिक्षा अधिकारियों और शिक्षा अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात में पीएम श्री स्कूलों की पहचान की।
- टीम ने स्कूल के अधिकारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत की:
- प्रभावी कक्षा प्रथाओं और आईसीटी और डिजिटल शिक्षण उपकरणों का उपयोग।
- समग्र मूल्यांकन और समग्र प्रगति कार्ड के उपयोग के मॉडल।
- खेल के मैदान के विकास, प्रयोगशालाओं और पर्यावरण के अनुकूल सुविधाओं सहित स्कूल के बुनियादी ढांचे में नवाचार।
- सक्रिय पीटीए, युवा और इको क्लब, और स्कूल गतिविधियों में माता-पिता की भागीदारी जैसे सामुदायिक सगाई की पहल।
- प्रतिनिधिमंडल ने अभिविन्यास सत्रों और क्षेत्र प्रदर्शनों में भी भाग लिया, जो मेजबान स्कूलों और स्थानीय शिक्षा अधिकारियों द्वारा सुविधाजनक थे।

परिणाम

- इस यात्रा से गुजरात में कार्यान्वित की जा रही सफल प्रक्रियाओं से अवगत होकर प्रतिभागियों के ज्ञान और क्षमता में वृद्धि हुई।
- शिक्षकों और स्कूल के नेताओं ने योग्यता-आधारित शिक्षा, डिजिटल एकीकरण और गतिविधि-आधारित शिक्षा में नई अंतर्दृष्टि प्राप्त की।
- इस यात्रा ने ओडिशा के पीएम श्री स्कूलों में अभिनव मॉडल की प्रतिकृति बनाने के लिए प्रेरणा प्रदान की।
- मजबूत अंतर-राज्य सहयोग और नेटवर्किंग को बढ़ावा दिया गया, जिससे भविष्य में विचारों के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त हुआ।
- प्रतिभागियों ने अपने संबंधित स्कूलों में प्रासंगिक अनुकूलन के लिए कार्रवाई बिंदुओं के साथ वापसी की।

प्रतिभागियों

- डॉ. राधाकांत गरतीआ (डीईओ-कम-डीपीसी, समग्र शिक्षा, झारसुगुड़ा)
- श्री सुसंता कुमार दाष (नोडल समन्वयक पीएम श्री और जिला कॉर्ड. योजना, एसएस, झारसुगुड़ा)
- श्री अंतरज्यामी बादई (डेटा एनालिसिस्ट, पीएम श्री और प्रोग्रामर एसएस, झारसुगुड़ा)
- श्री हेमसागर चौधरी, एबीईओ, लखनपुर ब्लॉक, झारसुगुड़ा)
- श्री कुश सा (सहायक अध्यापक, पीएम श्री जीएल एच एस, बेलफर, झारसुगुड़ा)
- श्री शिसेरा कु. पटेल, (सीआरसीसी, आरएन पाली क्लस्टर, कोलाबीरा)

स्कूलों और संस्थानों ने

प्रतिनिधिमंडल गुजरात में निम्नलिखित पीएम श्री स्कूलों और प्रमुख संस्थानों का दौरा किया:

1. पीएम श्री कमला बेन साहा अनुपम प्राथमिक विद्यालय, विठोडा, ब्लॉक - खेरालु, जिला - महेसाना

२. पीएम श्री खेरालु कन्याशाला – २
३. पीएम श्री पटेल रायबे अम्बाराम भाई प्राथमिक विद्यालय, कहीपुर, महेसाना
४. पीएम श्री विजापुर प्राइमरी स्कूल – २, ब्लॉक – विजापुर, महेसाणा
५. विद्या समिक्षा केंद्र और कमांड कंट्रोल सेंटर
६. प्रेरणा केंद्र

मुख्य सबक और अवलोकन

- गतिविधि-आधारित और योग्यता-आधारित सीखने पर जोर देने के साथ अभिनव कक्षा अभ्यास।
- निगरानी और शिक्षण समर्थन के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों और आईसीटी एकीकरण का उपयोग।
- अच्छी तरह से विकसित स्कूल बुनियादी ढांचे और खेल का मैदान सुविधाएं जो समग्र विकास को बढ़ावा देती हैं।
- सामुदायिक भागीदारी के लिए युवा और पारिस्थितिकी क्लबों और सक्रिय अभिभावक-शिक्षक संघों का कामकाज।
- विद्या समिक्षा केंद्र (वीएसके) और कमांड कंट्रोल सेंटर के संपर्क में, जिसने वास्तविक समय डेटा निगरानी और स्कूल प्रदर्शन ट्रेकिंग का प्रदर्शन किया।
- **प्रेरणा केंद्र की यात्रा करें**, जहां प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव और रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करने और प्रेरित करने के लिए रणनीतियों का अवलोकन किया।

यात्रा के परिणाम

- प्रतिभागियों ने गुजरात में अभिनव शिक्षा प्रथाओं के लिए पहला हाथ का अनुभव प्राप्त किया।
- इस यात्रा से समग्र मूल्यांकन, डिजिटल शिक्षा और सहभागी स्कूल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में शिक्षकों और स्कूल के नेताओं की क्षमता में वृद्धि हुई।
- टीम ने ओडिशा के प्रधान मंत्री श्री स्कूलों में गोद लेने के लिए प्रतिकृतियां मॉडल की पहचान की, विशेष रूप से डेटा-संचालित निगरानी, पर्यावरण-अनुकूल पहल और बाल-केंद्रित शिक्षाशास्त्र के क्षेत्र में। प्रेरणा केंद्र
- एक्सपोजर ने **अंतर-राज्य सहयोग को बढ़ावा दिया**, जिससे आपसी सीखने और भविष्य की साझेदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ।



प्रेरणा केंद्र



कमलाबेन पीएम श्री अपर प्राइमरी स्कूल



राज्य अधिकारियों के साथ बातचीत



राज्य अधिकारियों के साथ बातचीत



गुजरात के छात्रों के साथ बातचीत



राज्य अधिकारियों के साथ चर्चा



राज्य अधिकारियों के साथ चर्चा



जिला परियोजना कार्यालय, झारसुगुड़ा ने माननीय शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मुलाकात की



4. अनुबंध

GOVERNMENT OF ODISHA
DEPARTMENT OF SCHOOL & MASS EDUCATION

SME-MSSA-MSSA1-0044-2024-^{****}18524 /SME, Dt. 07.08.2024

From

Sri Manoj Kumar Padhy, OAS(SAG),
Additional Secretary to Govt.

To

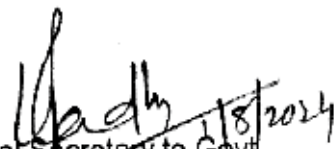
SPD, OSEPA

Sub : Implementation of PM-SHRI Scheme in the State and appointment of Nodal Officers

Madam,

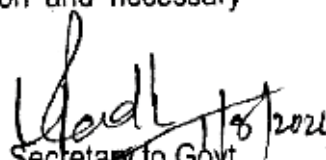
Inviting a reference to the subject cited above, I am directed to say that, Govt in S&ME Deptt have been pleased to implement PM-SHRI Scheme in the State of Odisha, An Memorandum of Understanding (MoU) has already been signed by State with Govt of India in this regard. Now, it has been decided to appoint SPD, OSEPA as State Nodal Officer and District Education Officers as District Nodal Officers for smooth implementation of the said scheme. The consolidated proposals of identified Schools, fulfilling the fixed criteria will be submitted to Department of School, Education and Literacy, Ministry of Education, GOI after obtaining kind approval of the Government in this regard.

Yours faithfully,


Additional Secretary to Govt.

Memo No. 18525 /SME Dt. 07.08.2024

Copy forwarded to all District Education Officers for information and necessary action.


Additional Secretary to Govt.

**GOVERNMENT OF ODISHA
SCHOOL & MASS EDUCATION DEPARTMENT**

No. 21744 / Date 30.8.2024
SME - MSSA - MSSAI - 0044-2024
OFFICE ORDER

State Govt in SME Department has been pleased to implement the PM-SHRI Scheme in Odisha. MoU has been signed with Ministry of Education (DoSE&L), Govt of India in this regard.

To implement the PM SHRI Scheme in the state and selection of schools at state level, a Committee is hereby constituted as follows.

1. Commissioner-Cum-Secretary to Govt., S&ME Deptt – Chairperson
2. Director, Higher Secondary Education - Member
3. Director, Secondary Education - Member
4. Director, Elementary Education - Member
5. SPD, OAVS – Member
6. Additional Secretary to Govt, S&ME Deptt (I/C PM SHRI Scheme) - Member
7. Director, TE & SCERT – Member
8. State Project Director, OSEPA – State Nodal Officer & Member Convener

In order to expedite the planning and implementation process in the state, members of the committee will take up the following activities.

1. Finalise the list of schools where PM SHRI Scheme will be implemented. After the finalization of the list of school, OSEPA will send the same to Govt. in S&ME Deptt for approval after which the list will be uploaded in the PM SHRI Portal.
2. To monitor the progress and provide on-site and on-line support to the district administration to accelerate the implementation process.
3. OSEPA will provide necessary logistic support for the arrangement of the review meeting and district visit.


30/08/24
Commissioner-Cum-Secretary to Govt.
S & ME Department

Memo No 21745 / Date 30.8.2024

Copy to the Directors – EE, SE, DHSE, SCERT, SPD – OAVS and SPD, OSEPA for kind information and necessary action.


Commissioner-Cum-Secretary to Govt.



ODISHA SCHOOL EDUCATION PROGRAMME AUTHORITY

"SHIKSHA SOUDHA", UNIT-V, BHUBANESWAR-751001

Ph No.0674-2392835(O)/osepaedu@yahoo.co.in

No. 7273 Date 03/08/24

OFFICE ORDER

State Govt. in S&ME Deptt has been pleased to implement the PM SHRI Scheme in 2024-25. State Project Director, OSEPA, vide Letter No. 18524 /SME/Dated 01.08.2024, has been declared as the State Nodal Officer and District Education Officers (DEOs) as the District Nodal Officer for the smooth implementation of the scheme.

Following arrangement has been made to plan, implement and monitor the scheme

Members of the PMU & Coordination Committee-PM SHRI

- 1) State Project Director, Chairperson and State Nodal Officer (SNO)
- 2) Additional Director – General & Quality/MIS/TT/TE
- 3) Finance – FA & CAO, FO & F.C.
- 4) Joint Directors – Administration, CM, Access, Girls Education & Civil
- 5) Deputy Directors- Text Books, Pedagogy, IE, & Vocational Education
- 6) Planning - S.S Swarupa & C.S Mohapatra (Planning Coordinator)
- 7) MIS – N. Panda & Chinmayananda Samantray, Programmer
- 8) Assistant Director. Planning (Dipak Ray) - Member Convener & Coordinating Officer

State Project Director

Memo No 7274 Date 03/08/24

- Copy to the Director-DEE, DSE, DHSE & TE&SCERT, SPD-OAVS, MC-Mo School, President-BSE and Chairman-CHSE for kind information.
- Copy to all DEOs/DPCs for kind information and necessary action.
- Copy to all the Intervention Heads, SPO, OSEPA for information and necessary action.
- Copy to the person concerned for information and necessary action.

State Project Director

Memo No 7275 Date 03/08/24

- Copy to the Additional Secretary to Govt. S&ME Deptt, for kind information.
- Copy to Under Secretary to Govt. MoE (DoSE&L), Govt of India for kind information.
- Copy to Sr. PS to the Commissioner-cum-Secretary to Govt, Deptt of S&ME for kind information of the Commissioner-cum-Secretary.

State Project Director



ODISHA SCHOOL EDUCATION PROGRAMME AUTHORITY

"SHIKSHA SOUDHA", UNIT-V, BHUBANESWAR-751001

Ph No.0674-2392835(O)/osepaedu@yahoo.co.in

No. 7270 Date 03/08/24

From,

Parul Patawari, IAS
State Project Director

To,

All Collectors,
Odisha

Sub: Implementation of the PM-SHRI schemes - regarding.

Ref: Letter no. 18524/SME, Dated 1-8-2024

Ma'am/Sir,

In inviting a reference to the subject cited above, I am to say that State Govt in S&ME Department has been pleased to implement PM SHRI Scheme in Odisha. Objectives of the scheme are to qualitatively strengthen the existing schools, make them exemplar over a period of time. Also, to prepare Schools in which every student feels welcomed and cared for, where a safe and stimulating learning environment exists and a wide range of learning experiences are offered, and where good physical infrastructure and appropriate resources conducive to learning are available to all students.

2. District Education Officers (DEOS) have been declared as the District Nodal Officer (DNO) vide GO. No. 18524, dated 1-8-24 for the smooth implementation of the scheme. DNO will ensure that all eligible schools will apply in the PM SHRI Portal. UDISE Code of the concerned school and registered Mobile no. are the credentials.

3. Govt run schools are eligible to participate. Preference would be given to Higher Secondary school, then to Secondary and Elementary schools. Detailed Guidelines (Framework) as prescribed by MoE, Govt of India are attached here with for the ready reference which may kindly be seen.

4. It is pertinent to mention that all DEOs/DPCs, Planning Coordinators and Programmers (MIS) has been oriented on the scheme by the Consultant, MoE, GoI and OSEPA. Accordingly, all HMs of the eligible schools may be communicated to upload the information in the Portal and also, upload photograph and other documents as per the Guidelines.

5. All DNOs will ensure that all schools in adequate number complete the application process through PM -SHRI web portal in a challenge method.

6. Last date for schools to apply is August 13, 2024. Last date for district level verification, approval & submission to state is August 20, 2024.

7. District Nodal Officer will verify the school's details as shared by the schools carefully through on-line and off-line monitoring and certify in the Portal accordingly. After the verification

DNO will obtain the approval from the District Collector, upload the same on-line and submit to State.

8. The DNO will send block wise list of short-listed schools to State along with proper justification in 100-200 words for each school (short listed-Non-shortlisted). For wide publicity of the scheme, DNO will take steps to orient the field functionaries i.e. BEOs, BRCCs, CRCCs & HMs.

9. Further, to facilitate the entire process of PM -SHRI scheme at district level, a Committee may be constituted consisting of ADEO- Scheme/ADEO-Quality as the Coordinating-cum-Contact officer, Planning Coordinator- (Nodal Coordinator), Programmer (data validator), Sr. TC, FC, Pedagogy Coordinator, Girls, ST/SC Coordinator and IE Coordinator as members under the Chairpersonship of the DEO for proper selection and in time completion of the work. To facilitate the entire process of PM -SHRI scheme, mobility /Logistic support as required may be borne out of MMR (SS) funds. In case of any doubt, Assistant Director, Planning (Dipak Ray, Mob. No. 9437227285) may kindly be contacted.

10. We are confident that with your leadership and active involvement, the PM SHRI Scheme will achieve its intended goals and significantly contribute to the transformation of the educational landscape in our state.

11. We request you to prioritize this initiative and ensure that all necessary steps are taken for its successful implementation. Your cooperation and dedication are crucial to the success of this scheme.

Thank you for your attention and prompt action on this matter.

Yours Faithfully,


State Project Director

Memo No 7271 Date 03/08/24

- Copy to the Director-DEE, DSE, DHSE & TE&SCERT, SPD-OAVS, MC-Mo School, President-BSE and Chairman-CHSE for kind information.
- Copy to all DEOs/DPCs -cum-DNOs for kind information and necessary action.
- Copy to all the Intervention Heads, SPO, OSEPA for information and necessary action.


State Project Director

Memo No 7272 Date 03/08/24

- Copy to the Additional Secretary to Govt. S&ME Deptt, for kind information.
- Copy to Sr. PS to the Commissioner-cum-Secretary to Govt, Deptt of S&ME for kind information of the Commissioner-cum-Secretary.


State Project Director

GOVERNMENT OF ODISHA
DEPARTMENT OF SCHOOL & MASS EDUCATION

PT1-SME-MSSA-MSSA1-0044-2024-^{****} 24382 /SME, Dt. 26.9.2024

From

Sri Manoj Kumar Padhy, OAS(SAG),
Additional Secretary to Govt.

To

The State Project Director, OSEPA

Sub : 4th phase PM-SHRI Schools

Madam,

Enclosing the DO Letter Dt.24.9.2024 of Director, Department of School Education and Literacy, Ministry of Education, Govt of India on the subject cited above (Copy Enclosed), I am directed to say that, GOI have approved 450 PM SHRI Schools (24 Elementary Schools, 368 Secondary Schools and 58 Senior Secondary Schools) for the fourth phase of selection for the State of Odisha. The list of the selected schools is enclosed herewith.

It has been suggested by GOI to open Implementing Agencies (IAs) account for schools selected in the 4th Phase and to map all the IAs with the existing Single Nodal Agency (SNA) account of PM SHRI Scheme. It has further been suggested to prepare the Annual Work Plan & Budget (AWP&B) proposals for the Project Approval Board (PAB) meetings as per the norms of the PM SHRI Scheme and also to have a provision of matching state share accordingly.

It is, therefore, requested to go through the suggestions/recommendations made by GOI in this connection in the aforementioned DO Letter and take immediate appropriate action in this regard.

Enclosure-(As above)

Yours faithfully,


Additional Secretary to Govt.

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF EDUCATION
DEPARTMENT OF SCHOOL EDUCATION & LITERACY
SHASTRI BHAVAN
NEW DELHI-110 115



भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन
नई दिल्ली - 110 115

Dr. Preeti Meena
Director, DoSEL
Email ID: preeti.meena@gov.in
Tel. 011-23383779

D.O. No. 1-5/2024-IS.19



Dated, 24th September, 2024

Respected Mam,

This is regarding the PM SHRI Scheme which aims to establish more than 14,500 PM SHRI Schools across the country. PM SHRI Schools displays all the components of the National Education Policy (NEP) 2020 and provides guidance to other schools around them to implement the NEP. PM SHRI Schools follows a pedagogy which is more experiential, holistic, inclusive, integrated and enquiry-driven. These schools have better and excellent science labs, libraries, ICT facilities and vocational labs.

2. A total of 10,858 schools were selected from 30 States/UTs along with KVS/NVS in the first, second and third phase.
3. The fourth phase of selection of PM SHRI Schools also has been done using the transparent Challenge Method, wherein Schools self-applied on the Online Challenge portal and state has recommended schools after district verification. After detailed deliberation, the expert committee from the state recommended schools, as per the cabinet note, has approved 450 PM SHRI Schools (24 Elementary Schools, 368 Secondary Schools and 58 Senior Secondary Schools) for the fourth phase of selection for the State of Odisha. The list of the selected schools for your State/UT is at Annexure I.
4. States/UTs are requested to open Implementing Agencies (IAs) account for schools selected in the 4th Phase and map all the IAs with the existing Single Nodal Agency (SNA) account of PM SHRI Scheme. States/UTs are requested to prepare the Annual Work Plan & Budget (AWP&B) proposals for the Project Approval Board (PAB) meetings as per the norms of the PM SHRI Scheme. States may also have a provision of matching state share accordingly.

5. Effective implementation of this scheme will enable depiction of all components of NEP 2020, ensure quality education to our students and enable PM SHRI schools to represent as brand for quality education in the country. The success of the PM SHRI scheme will depend upon the co-operation and co-ordination of all the States/UTs.

With regards,

Yours sincerely,

Encl: As Above

Preeti Meena
(Preeti Meena)

Smt. Shalini Pandit, IAS
Commissioner-cum-Secretary (Education)
Government of Odisha,
Department of School & Mass Education,
Odisha Secretariat
Bhubaneswar - 751001
ODISHA

F. No. 1-9/2022-IS.19
Government of India
Ministry of Education
(Department of School Education & Literacy)
(IS-19 Section)

Shastri Bhawan, New Delhi
Dated: 28th November, 2024

To

State Project Director
Odisha

Subject: Approval of withdrawal of one PM SHRI schools in the state of Odisha under PM SHRI Scheme -reg.

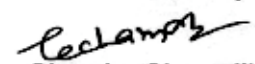
Reference to letters received from the state of Odisha, the state has requested for withdrawal of the one PM SHRI schools from the PM SHRI scheme as enclosed.

2. In this regard, it is informed that the withdrawal of one PM SHRI Schools under the PM SHRI scheme has been approved. The state is requested to apply new schools on the portal during the on-going fifth phase of the selection process to replace the withdrawn schools. The Selection of PM SHRI schools will be done through transparent Challenge Method on the PM SHRI portal. The PM SHRI portal for fifth phase of selection process is opened till 08.12.2024 and the schedule is as follow:

Schedule for fifth cycle of selection process	
Activity	Timeline
Last date for Schools to apply	Till 8 th December, 2024
District (For Verification)	Till 15 th December, 2024
State/UT (For Verification & Approval)	Till 22 nd December, 2024
MoE (For Final Selection)	Till 30 th December, 2024

3. This issues with the approval of the competent authority.

Yours faithfully,


(Vipinder Chander Chamoli)

Under Secretary to the Government of India

Tel: 011-23383779

Email: vipinchander.chamoli35@gov.in

Enclosure

SN	State	District/Region	School Name	Phase of Selection
1	Odisha	Koraput	Govt U.G. High School, Balda	4

OSEPA									
SPD	DD	PD	AD	AD	AD	AD	AD	AD	AD
(Ped)	(G)	(G)	(G)	(G)	(G)	(G)	(G)	(G)	(G)
28 JAN 2025									
AD	AD	STC	PIO	APD					
(CM)	(MS)								
RA	MC	E.O.	PC	APE					

F. No. 1-5/2024-IS.19
 Government of India
 Ministry of Education
 Department of School Education & Literacy
 (IS-19 Section)

Shastri Bhawan, New Delhi
 Dated: 28 January, 2025

Commissioner-Cum-Secretary
 Department of School and Mass Education
 Odisha.

Subject: Selection of PM SHRI Schools in the Fifth Phase of PM SHRI Scheme- reg.

Sir/Madam,

This is regarding the PM SHRI Scheme, in which PM SHRI schools are being developed to showcase all the initiatives of National Education Policy (NEP) 2020 and emerge as exemplar schools over a period of time, offering leadership to other schools in the neighbourhood.

2. The selection of PM SHRI Schools is done using the transparent challenge method, wherein Schools self-apply on the Online Challenge portal and state recommends schools after district verification. After detailed deliberation, the expert committee selects from the state recommended schools.

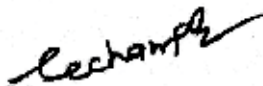
3. A total of 449 schools have been selected in the State of Odisha in the 4th Phase of PM SHRI School selection. Now, 13 schools have been selected from Odisha in the 5th phase, out of which 2 are Upper Primary Schools, 10 are Secondary Schools and 1 is a Senior Secondary School. The list of the selected schools in the 5th Phase for the State of Odisha is at Annexure I.

4. In this regard, I request you to open Implementing Agencies (IAs) account for schools selected in the 5th Phase and map all the IAs with the existing Single Nodal Agency (SNA) account of PM SHRI Scheme. Further, you are requested to prepare the Annual Work Plan & Budget (AWP&B) proposals for the Project Approval Board (PAB) meetings as per the norms of the PM SHRI Scheme.

5. Effective implementation of this scheme will enable depiction of all components of NEP 2020, ensure quality education for our students and enable PM SHRI schools to represent as brand for quality education in the country. The success of the PM SHRI scheme will depend upon your cooperation and co-ordination.

Yours faithfully,

Encl: As Above.


(Vipinder Chander Chamoli)
Under Secretary to the Government of India
Tele: 011-23383934
Email: vipinchander.chamoli35@gov.in



0674 - 23955325



www.osepa.odisha.gov.in



@osepa_Official



@osepa_Official



OSEPAOFFICIAL